महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

सुविचार

हर दिन किसी न किसी भय पर विजय प्राप्त करें, बेहतर जीवन का रहस्य स्वतः ही मिल जाएगा

ह्रीं श्री

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 272 | उज्जैन, रविवार 15 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

कटनी में शीघ्र खुलेगा मेडिकल कॉलेज : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार धरती पुत्र किसान की खुशहाली और विकास के लिए कृत संकल्पित है। राज्य सरकार किसानों और लाड़ली बहनों सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। सरकार ने गांव-गांव तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने का संकल्प लिया है। किसानों को सिंचाई के लिए अब दिन में भी बिजली मिलेगी। किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। जरूरतमंदों के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, इसके लिए प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि कटनी में शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज खोला जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कटनी जिले के बरही में आयोजित किसान सम्मेलन कृषि महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 में कटनी को 1000 करोड़ की सौगात दी एवं जिले के लिए 243 करोड़ रूपये की लागत के 97 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। इसमें नवर्निमित पुल, महाविद्यालय और सांदीपनि विद्यालय भी शामिल हैं। किसानों की समृद्धि पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। विजयराघवगढ़ के नागरिकों ने भव्य रोड-शो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी अभिवादन कर स्वागत के लिये जनता का आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बड़े तालाब के सौंदर्यीकरण की सौगात दी एवं उन्होंने विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री विजयनाथ धाम की नगरी बरही में आयोजित किसान सम्मेलन में किसान कल्याण को समर्पित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रतीक स्वरूप हल और स्मृति-चिन्ह के तौर पर लड्डू गोपाल की मूर्ति भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 9 लाख करोड़ की नई रोजगार आधारित औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। मध्यप्रदेश, देश में सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य बना है। प्रदेश में बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से भी कम है। राज्य सरकार सभी वर्गों के कल्याण और रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिले में जलाशयों और नहरों के जीर्णोद्धार के साथ ही सड़क निर्माण एवं पुलिया के उन्नयन के कार्य भी किये जायेंगे। बरही में वॉलीबॉल का इंडोर स्टेडियम बनायेंगे। साथ ही महानदी और उमड़ार नदी के संगम पर सिंचाई परियोजना की सौगात दी जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में युवाओं के लिये खेल स्टेडियम का निर्माण भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों के लिए सरकारी खजाने में कोई कमी नहीं है। प्रदेश सरकार को बहनों का आशीर्वाद मिल रहा है। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार लाड़ली बहनों को साढ़े 1800 करोड़ से अधिक की राशि प्रदान की है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के 3 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं और सभी पात्र हितग्राहियों को हर माह 1500 रुपए की सौगात मिल रही है। ग्रामीणों के सिर पर पक्के मकान की छत मिले, इसके लिए बहुत जल्द सर्वे शुरू किया जाएगा। सड़क हादसों में घायलों की मदद के लिए सरकार ने %राहवीर योजना% की शुरुआत की है। घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले को सरकार 25 हजार की प्रोत्साहन राशि दी है। पीएम राहत योजना के तहत अस्पताल में घायल के लिए डेढ़ लाख रुपए तक के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था है। नागरिकों की जान बचाने के लिए एयर एम्बुलेंस का नवाचार प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार सिंचाई के लिए पर्याप्त जल, बिजली और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में वर्ष 2004 से अब तक गेहूं के मूल्य में 2000 रुपए प्रति क्विंटल से अधिक की वृद्धि हुई है। किसानों को बोनस का लाभ देकर इस वर्ष 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा जा रहा है। प्रदेश में पिछले 2 वर्ष में सिंचाई का रकबा बढ़कर 55 लाख हैक्टेयर हो गया है, जिसे आगामी वर्षों में 100 लाख हैक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को सालभर में 12 हजार रुपए की सम्मान निधि का लाभ दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दूध-दही हजारों साल से भारत की पहचान है। राज्य सरकार ने प्रदेश में दूध का उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। बच्चों को स्वस्थ बनाने के लिए माता यशोदा योजना में स्कूलों में बच्चों को निःशुल्क दूध के पैकेट वितरित किये जाएंगे। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब ड्रॉप आउट 6 प्रतिशत से शून्य पर आ गया है। मध्यप्रदेश इस मामले में राष्ट्रीय औसत से आगे निकल चुका है। राज्य सरकार स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में युवाओं को मौके दिए जा रहे हैं। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत होने वाली है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के हितों को सर्वोपरि रखा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के बीच हमारे जहाज तिरंगा लगाकर शान से स्वदेश लौट रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में खाड़ी के देशों में जारी संकट के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान शर्मनाक हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हर बार की तरह अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए युद्ध में फंसे विद्यार्थियों और नागरिकों को सुरक्षित निकाला है।

सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 1000 करोड़ की सौगातें दी हैं। बाणसागर डैम से 161 करोड़ की सिंचाई योजना से किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। क्षेत्र में नए पुल निर्माण के लिए 95 करोड़ की राशि दी गई है। कटनी क्षेत्र में कृषि को नए आयाम देने के लिए एग्रीकल्चर विलेज की स्थापना की जा सकती है। विधायक श्री संजय पाठक ने कहा कि कृषि कल्याण वर्ष में कटनी को अनेक सौगातें मिली हैं।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री और जिले के प्रभारी श्री उदय प्रताप सिंह, विधायक श्री संदीप जायसवाल, विधायक श्री धीरेंद्र बहादुर सिंह, विधायक श्री प्रणय प्रभात पांडे, विधायक मैहर श्री श्रीकांत चतुर्वेदी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, बड़ी संख्या में किसान बंधु और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

उद्योग की परिभाषा पर सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की पीठ 17 मार्च से करेगी सुनवाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संविधान पीठ 17 मार्च से औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत उद्योग शब्द की परिभाषा को स्पष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण सुनवाई शुरू करेगी। यह मामला दशकों से कानूनी बहस का विषय रहा है। पीठ की अध्यक्षता चीफ जस्टिस (सीजेआइ) सूर्यकांत करेंगे। अन्य सदस्यों में जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस पीएस नरसिम्हा, जस्टिस दीपांकर दत्ता, जस्टिस उज्जल भुइयां, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, जस्टिस जोयमाल्या बागची, जस्टिस आलोक अराधे और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल हैं। सुनवाई 17 मार्च को शुरू होकर 18 मार्च तक पूरी होने की उम्मीद है। कोर्ट यह जांचेगा कि क्या 1978 के बेंगलुरु वाटर सप्लाई केस में जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर द्वारा उद्योग के निर्धारण के लिए तय किए गए मापदंड आज भी सही हैं? क्या सरकार द्वारा संचालित सामाजिक कल्याण गतिविधियों और योजनाओं को अधिनियम की धारा 2(जे) के तहत औद्योगिक गतिविधि माना जा सकता है? औद्योगिक विवाद (संशोधन) अधिनियम, 1982 और हाल ही में लागू हुए औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 (21 नवंबर, 2025 से प्रभावी) का इस परिभाषा पर क्या कानूनी प्रभाव पड़ेगा? बहरहाल, यह निर्णय देश के श्रम कानूनों और औद्योगिक संबंधों की दिशा तय करने में मील का पत्थर साबित होगा।

एक घर से मिले 261 सिलिंडर, बिहार पुलिस की छापामारी से मचा हड़कंप

फारबिसगंज/ जीएनएस। फारबिसगंज के पोखर बस्ती वार्ड संख्या 15 में 12 मार्च की रात रसोई गैस के अवैध भंडारण मामले में अनुमंडल प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई में 261 गैस सिलेंडर बरामद हुए थे। लोगों का कहना है कि रसोई गैस को लेकर जहां आम जनता परेशान है। वहीं, भारी मात्रा में गैस का भंडारण स्थानीय प्रशासन के लिए भी किसी चुनौती से कम नहीं है। जानकारों का कहना है कि अनुमंडल प्रशासन के निर्देश पर भले ही स्थानीय थाना में पोखर बस्ती निवासी साबिर अंसारी एवं पुत्र इमरान अंसारी पर केस दर्ज कराया गया है, लेकिन इसके भंडारण का इनके कॉल डिटेल से ही खुलेगा। रसोई गैस अवैध भंडारण मामले की जांच में पिता पुत्र का कॉल डिटेल अहम कड़ी साबित हो सकती है। इनके कॉल डिटेल से यह पता लगाया जा सकता है कि दोनों पिता-पुत्र कौन से गैस एजेंसी संचालक से संपर्क में थे एवं किस एजेंसी की मिली भगत से रसोई गैस को दोनों ने मिलकर भंडारण किया था? जानकारों का कहना है कि पुलिस पिता पुत्र के बैंक एकाउंट डिटेल एवं ट्रांजैक्शन से भी अवैध भंडारण में सहयोग करने वाले गैस एजेंसी को चिन्हित कर सकती है। इधर, एसडीओ के निर्देश पर फारबिसगंज थाना में एमओ इंद्रजीत कुमार ने मामले में साबिर अंसारी एवं पुत्र इमरान अंसारी पर केस दर्ज कराया है।

कॉमर्शियल एलपीजी किल्लत के बीच दिल्ली सरकार ने लागू की राशनिंग प्रणाली

राजधानी में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की बढ़ती किल्लत को देखते हुए दिल्ली के खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने एक नई वितरण नीति जारी की है। केंद्र सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशों के बाद लागू की गई इस नीति का मुख्य उद्देश्य सीमित आपूर्ति के बीच आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से चालू रखना और कालाबाजारी पर लगाम लगाना है। सिर्फ 20 प्रतिशत आपूर्ति ही होगी उपलब्ध - जारी आदेश के अनुसार, दिल्ली में तेल विपणन कंपनियों द्वारा की जाने वाली औसत दैनिक बिक्री (लगभग 9000 सिलेंडर) का केवल 20 प्रतिशत (करीब 1800 सिलेंडर) ही वर्तमान में विनियमित वितरण के लिए उपलब्ध होगा। इस कोटे को तीनों प्रमुख कंपनियों - आइओसी (58 प्रतिशत), बीपीसीएल (27 प्रतिशत) और एचपीसीएल (15 प्रतिशत) के बीच उनकी बाजार हिस्सेदारी के आधार पर विभाजित किया गया है। सरकार ने उपभोक्ताओं को आठ श्रेणियों में बांटकर प्राथमिकता तय की है। सबसे महत्वपूर्ण प्रायोरिटी-1 श्रेणी में शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, रेलवे और हवाई अड्डों को रखा गया है।

सरेंडर कर चुके माओवादी देवजी ने की माकपा- माओवादी से प्रतिबंध हटाने की मांग

नई दिल्ली/ जीएनएस। सरेंडर कर चुके माओवादी कमांडर थिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी ने केंद्र सरकार से माकपा (माओवादी) पर लगे प्रतिबंध हटाने और इसे राजनीतिक दल के रूप में मान्यता देने की शनिवार को मांग की। हालांकि संगठन चुनावी राजनीति में भाग लेने के पक्ष में नहीं है। देवजी ने हाल ही में तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था।

देवजी ने कहा, हमने मुख्यमंत्री (ए रेवंत रेड्डी) से हाल ही में हुई बैठक में अनुरोध किया कि वे इस मामले को (प्रतिबंध हटाने के बारे में) केंद्र के संज्ञान में लाएं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की। उनका कहना है कि केवल सरकार के पास हथियार होने चाहिए, दूसरों के पास नहीं। हम भी कहते हैं कि अगर हमारी पार्टी को राजनीतिक दल के रूप में मान्यता दी जाती है तो हम हथियार डाल देंगे। देवजी ने कहा केंद्र सरकार के माओवादी विरोधी ऑपरेशन कगार के शुरू होने के बाद कई माओवादियों की गिरफ्तारी, मारे जाने या आत्मसमर्पण के कारण माकपा (माओवादी) को भारी नुकसान हुआ। संगठन के लिए अस्तित्व बचाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। देवजी ने कहा कि वह किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल नहीं होना चाहते, क्योंकि माकपा (माओवादी) राजनीतिक पार्टी है।देवजी ने देशभर में जेल में बंद माओवादी समर्थकों को राजनीतिक कैदी के रूप में मान्यता देकर रिहा करने की भी मांग की।

इस बीच उन्होंने टीवी चैनल से कहा, हम संसद और विधानसभा चुनावों में भाग नहीं लेना चाहते। उन्होंने कहा, जब माओवादी सिस्टम को उखाड़ फेंकने का प्रयास किया जाता है तो इससे माओवादी और सुरक्षा बलों दोनों को नुकसान होता है। उन्होंने आकसफैम जैसी संगठनों की रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि अभी भी धन कुछ ही लोगों के पास है।

माओवाद के कमजोर होने के कारणों पर उन्होंने कहा कि समाज में बदलाव के अनुसार कार्रवाई की योजना तैयार करने में देरी हुई। चार दशकों तक भूमिगत रहने के बाद देवजी ने 24 फरवरी को आत्मसमर्पण किया था। देवजी के साथ मल्लाराजी रेड्डी, बड़े चोक्का राव उर्फ जगन, और नूने नरसिम्हा रेड्डी उर्फ गंगन्ना ने भी हथियार डाल दिए थे।

देवजी ने कहा, मौत के डर से नहीं, बल्कि कानूनी ढांचे में रहकर लोगों के लिए काम करने की खातिर आत्मसमर्पण किया है। यह भी दावा किया कि तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने से पहले ही पुलिस ने उन्हें तथा अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया था।

दुमका में जयमाला से पहले दूल्हा फरार, ग्रामीणों ने बरातियों को बनाया बंधक

दुमका/ जीएनएस। दुमका जिले के रामगढ़ प्रखंड के मजडीहा गांव में शुक्रवार की शाम शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब दहेज लोभी दूल्हा मंडप तक पहुंचने के बाद अचानक शादी से पहले ही भाग खड़ा हुआ।

इस घटना के बाद शहनाई की गूंज के बीच मंडप पर बैठी दुल्हन को शादी का जोड़ा उतारना पड़ गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बारात में आए करीब तीन दर्जन महिला-पुरुषों को बंधक बना लिया।

गांव के अरविंद ठाकुर की बेटी की शादी देवघर जिले के देवीपुर थाना क्षेत्र के मोहबंदिया गांव निवासी रामभरोशा ठाकुर (पिता स्व. जयदेव ठाकुर) से तय हुई थी। 13 मार्च को विवाह की तिथि निर्धारित थी और तय समय पर बारात भी मजडीहा गांव पहुंच गई। बारात गांव की दहलीज तक पहुंच चुकी थी, इसी दौरान दूल्हा अचानक वहां से फरार हो गया। जब इस बात की जानकारी लड़की पक्ष और ग्रामीणों को हुई तो लोगों में भारी आक्रोश हो गया। लोगों ने बारात में आए दर्जनों लोगों को गांव में ही बंधक बना लिया।

सूचना मिलने पर शनिवार सुबह हंसडीहा थाना की पुलिस गांव पहुंची और बंधक बनाए गए लोगों को छुड़ाने का प्रयास किया। हालांकि ग्रामीण दूल्हे को गांव बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं।

राहुल गांधी ने MSP पर सरकार को घेरा, किसानों के लिए भाजपा की नीयत पर उठाए सवाल

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने किसानों को फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वादा नहीं निभाने को लेकर सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अपने फायदे के लिए देश की खेती-किसानी को कुर्बान करने को तैयार है।

एमएसपी पर सदन में अपने सवाल पर सरकार के जवाब को आधार बनाते हुए कांग्रेस नेता ने यह आशंका भी जताई कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील से भी एमएसपी की वर्तमान नीति पर किसानों के हित के विपरीत बदलावकारी असर पड़ेगा। एमसपी पर 10 मार्च को पूछे अपने सवाल तथा उस पर सरकार के जवाब को फेसबुक पर साझा करते हुए राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि लोकसभा में मैंने सरकार से सीधा सवाल पूछा कि 2021 में किसानों से किया गया सी2 50 प्रतिशत कानूनी एमएसपी का वादा अब तक लागू क्यों नहीं हुआ? सरकार ने जवाब देने से बचते हुए सिर्फ अपनी पुरानी एमसपी नीति दोहरा दी। नेता विपक्ष के अनुसार सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि उसने राज्यों पर एमएसपी बोनस खत्म करने का दबाव डाला, जिसे बिना किसी तर्क के राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के नाम पर सही ठहराया गया।

भारतीय हिमालयी क्षेत्र में वृक्ष आवरण दो वर्षों में 2.2% घटा, सरकार ने राज्यसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा को बताया कि भारतीय हिमालयी क्षेत्र के 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वृक्षों का आवरण 2021 से 2023 के बीच 2.27त्न कम हो गया है।

मंत्री ने प्रश्न के लिखित उत्तर में शुक्रवार को कहा कि भारत की वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 के अनुसार इस क्षेत्र में वृक्षों का आवरण 2021 में 15,427.11 वर्ग किलोमीटर से घटकर 2023 में 15,075.5 वर्ग किलोमीटर हो गया है।

मंत्री ने यह भी कहा कि भारतीय हिमालयी क्षेत्र के जंगलों में कुल कार्बन भंडार 2023 में 3,273.10 मिलियन टन आंका गया है, जबकि 2021 में यह 3,272.68 मिलियन टन था। भारतीय हिमालयी क्षेत्र में जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, असम और बंगाल शामिल हैं।

झारखंड में टोटो-बाइक की टक्कर ने लिया सांप्रदायिक विवाद का रूप, मारपीट में 5 घायल

गिरिडीह/ जीएनएस। शहर के बरमसिया चिल्ड्रन पार्क के पास शनिवार रात दो समुदाय में हुई झड़प और मारपीट में एक पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। जख्मी में सभी एक समुदाय के हैं। वे किसी को नहीं पहचान पाए।

उनका कहना है कि दुकानों से निकलकर उन पर हमला किया गया। पुलिस अस्पताल में जख्मी से फर्द बयान के रही है। घटना में झिंझरी मोहल्ला का भी नाम पुलिस का सामने आया है। पुलिस जांच कर रही है।

घायलों में चंबा थाना क्षेत्र के बिशनपुर मोहल्ला निवासी मोहम्मद आदिल ,मोहम्मद चांद, मोहम्मद जावेद, मो. फिरोज और मोहम्मद मेहताब शेख शामिल हैं । इनमें से मोहम्मद आदिल और मोहम्मद मेहताब शेख को गंभीर चोट आई है।

मारपीट के बाद स्थिति तनाव पूर्ण हो गई है। वहीं मौके पर पहुंचकर थाना प्रभारी रतन कुमार सिंह पुलिस की टीम के साथ स्थिति को नियंत्रित करने में लगे हैं।

मौके पर से सभी फरार- थाना प्रभारी झड़प और मारपीट के कारणों की जानकारी लेते हुए मारपीट करने वालों को चिह्नित करने में जुटे हैं।

ईरान युद्ध का भारत पर क्या पड़ेगा असर? पीएम मोदी ने बताया केंद्र सरकार का प्लान; कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार वैश्विक संघर्षों के कारण लोगों पर पड़ने वाले प्रभावों को सीमित करने के लिए काम कर रही है। दूसरी तरफ विपक्षी पार्टी कांग्रेस देश में दहशत पैदा करने की कोशिश करके गैरजिम्मेदाराना व्यवहार कर रही है।

मोदी ने असम के सिलचर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक पूर्वोत्तर की अनदेखी की और स्वतंत्रता के दौरान ऐसी सीमा रेखा खींचने की अनुमति दी, जिससे समुद्री मार्ग से बराक घाटी का संपर्क टूट गया। पीएम ने कहा, विश्व में जारी युद्धों को देखते हुए हमारा प्रयास है कि देश की जनता पर इनका प्रभाव कम-से-कम हो। कांग्रेस को एक जिम्मेदार राजनीतिक दल की भूमिका निभानी चाहिए थी, लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही। वह जनता में दहशत फैलाने की कोशिश कर रही है। उसके पास न तो असम के लिए कोई दूरदृष्टि है और न ही राष्ट्र के लिए। वे (कांग्रेस नेता) केवल मोदी को गाली देना, अफवाहें फैलाना, झूठ बोलना और लोगों को गुमराह करने के लिए झूठी रीलें बनाना जानते हैं।

मोदी ने कांग्रेस पर उन ताकतों की कठपुतली बनने का आरोप लगाया, जो भारत के तेज विकास को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। कहा कि विपक्ष ऐसे समय देश में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहा है, जब दुनिया में तनाव है और कई क्षेत्रों में युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है।

इंदौर में 2600 कॉलोनियों की गाइडलाइन दरों में वृद्धि का प्रस्ताव, 158 नई लोकेशन भी जोड़ी जाएंगी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता तथा विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, वरिष्ठ जिला पंजीयक श्री अमरेश नायडू सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में इंदौर जिले में स्थित लगभग 2600 कॉलोनियों और लोकेशनों की गाइडलाइन दरों में वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया।

बैठक में समिति के सदस्यों और अध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देशों के आधार पर कुछ क्षेत्रों में प्रस्तावित वृद्धि में संशोधन करते हुए कुछ और स्थानों पर दरों में बढ़ोतरी किए जाने पर भी सहमति बनी। इसके साथ ही वर्ष 2026 के लिए 158 नई लोकेशन और कॉलोनियों को गाइडलाइन में शामिल करने का प्रस्ताव भी रखा गया है।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि प्रस्तावित गाइडलाइन दरों को आमजन से सुझाव प्राप्त करने के लिए सात दिनों तक सार्वजनिक किया जाएगा। इस अवधि में प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर विचार करते हुए पुनः जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद अंतिम प्रस्ताव को केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा।

बैठक में चर्चा के दौरान बताया गया कि वर्तमान में अधिकतम 185 प्रतिशत तक वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार कुछ स्थानों पर इसे और संशोधित किया जाएगा।

संपदा पोर्टल से प्राप्त पंजीयन आंकड़ों के अनुसार कई क्षेत्रों में संपत्तियों का पंजीयन गाइडलाइन दर से काफी अधिक मूल्य पर हुआ है। उदाहरण के तौर पर जहां गाइडलाइन दर 10 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर थी, वहां 50 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर तक पंजीयन दर्ज हुए, जो लगभग 500 प्रतिशत तक अधिक हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर संबंधित लोकेशनों में दरों में वृद्धि प्रस्तावित की गई है।

प्रस्तावित दरों को सोमवार से आमजन के सुझावों के लिए सार्वजनिक किया जाएगा। प्राप्त सुझावों के आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।जिला मूल्यांकन समिति में अनुमोदित दरों को आमजन के सुझाव हेतु 16 मार्च 2026 से 21 मार्च 2026 तक जिला पंजीयक एवं उप पंजीयक कार्यालय क्रमांक 1,2,3,4 में रखा जाएगा साथ ही आमजन चाहे तो गाइडलाइन पर सुझाव व्हाट्सऐप नंबर 9893320632 एवं 9770426465 पर भी दे सकते है । इसके अतिरिक्त विभाग की ईमेल आईडी sdrindore2021@gmail.com पर भी भेज सकते है ।

नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह से 180 मामलों का हुआ निराकरण

कुल 3 करोड़ 8 लाख 47 हजार 806 रुपये की राशि के अवार्ड पारित, 965 पक्षकार हुए लाभांवित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला साहब के आदेशानुसार म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत के समक्ष सिविल (एम.ए.सी.टी.आदि), रिट, क्रिमिनल एवं अन्य प्रकृति के कुल 482 प्रकरणों को सुनवाई हेतु रखा गया था, जिसमें से कुल 180 प्रकरण निराकृत किये जाकर लगभग राशि 3 करोड़ 8 लाख 47 हजार 806 रुपये के अवार्ड पारित हुए, उक्त प्रकरणों के निराकरण से 965 पक्षकार लाभान्वित हुए।

वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ 14 मार्च 2026 (शनिवार) को उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के सभागार में प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला एवं न्यायाधिपति श्री पवन कुमार द्विवेदी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की सदस्य सचिव सुश्री सुमन श्रीवास्तव, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार श्री अनूप कुमार त्रिपाठी, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री नीरज मालवीय, उप सचिव श्री अनिरुद्ध जैन, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री मनीष यादव, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के सचिव श्री मनीष गढ़कर, खण्डपीठ के सदस्य अधिवक्ता श्री पीयूष श्रीवास्तव, अधिवक्ता श्री प्रसन्ना आर. भटनागर सहित अन्य अधिवक्तागण, बीमा कंपंनियों के अधिकारीगण, उच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। न्यायाधिपतिगण द्वारा कांफ्रेंस हॉल में उपस्थित सभी व्यक्तियों को नेशनल लोक अदालत की शुभकामनाएं प्रेषित की गई ।

नेशनल लोक अदालत में उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर की ओर से प्रकरणों को सुनवाई हेतु न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला, न्यायाधिपति श्री पवन कुमार द्विवेदी की खण्डपीठों के समक्ष सुनवाई हेतु रखा गया जिसमें खण्डपीठों द्वारा 180 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।

जनभागीदारी से शहर के विकास कार्यों को मिलेगी नई गति, संस्थाएं करेंगी डिवाइडर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के डिवाइडर, ग्रीन बेल्ट, रोटरी, चौराहों तथा अविकसित उद्यानों के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए नगर निगम द्वारा जनभागीदारी के माध्यम से कार्यों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल द्वारा सिटी बस कार्यालय में शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं और संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहर के कई महत्वपूर्ण स्थलों के विकास के लिए संस्थाओं द्वारा दिए गए प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

नगर निगम द्वारा शहर के डिवाइडर, ग्रीन बेल्ट, रोटरी, चौराहों और अविकसित उद्यानों को सामाजिक संस्थाओं व संगठनों को गोद देने के प्रस्ताव को पहले ही मेयर इन कांउसिल से स्वीकृति मिल चुकी है। इस पहल का उद्देश्य शहर के सौंदर्यीकरण और हरित क्षेत्र के विकास में नागरिकों और संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। बैठक में अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, उद्यान अधिकारी श्री शांतिलाल यादव, श्री प्रताप नायर सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने निजी जनभागीदारी के माध्यम से शहर के ग्रीन बेल्ट, उद्यान, डिवाइडर, रोटरी और चौराहों के रखरखाव तथा विकास के संबंध में अपने प्रस्तावों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

इंटर्नशिप विथ मेयर कार्यक्रम में स्वच्छ सर्वेक्षण और वार्ड रैंकिंग पर निगम की बैठक, डिजिटल एप्लीकेशन से होगी वार्डों की रैंकिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार इंदौर नगर निगम में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ÷इंटर्नशिप विथ मेयर÷ कार्यक्रम के तहत एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में स्वच्छ सर्वेक्षण, वार्ड रैंकिंग तंत्र और शहर में स्वच्छता मानकों को बनाए रखने की कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही स्वच्छ वार्ड रैंकिंग प्रतियोगिता को डिजिटल एप्लीकेशन के माध्यम से संपन्न कराने की प्रक्रिया भी इंटर्न्स को समझाई गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के परियोजना समन्वयक श्री अमित दुबे ने इंटर्न्स को उन रणनीतियों और व्यवस्थित प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी दी, जिनकी बदौलत इंदौर लगातार देश का सबसे स्वच्छ शहर बनने की अपनी पहचान बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा अपनाए गए मानकीकृत मानदंडों के माध्यम से प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन, नागरिकों की भागीदारी और शहर के विभिन्न वार्डों में स्वच्छता की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाती है। सत्र के दौरान यह भी बताया गया कि वार्ड रैंकिंग व्यवस्था शहर के भीतर स्वच्छता प्रदर्शन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वार्ड स्तर पर स्वच्छता मानकों का मूल्यांकन करने से अधिकारियों को सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है और विभिन्न वार्डों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलता है।

इंदौर में 24 घंटे में मिल रहा गैस पाइपलाइन कनेक्शन

अवंतिका की विशेष टीम दे रही तेजी से कनेक्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर शहर में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पाइपलाइन गैस से जोड़ने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। अवंतिका गैस लिमिटेड की विशेष टीम द्वारा लगातार नए कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं।

पिछले तीन दिनों में अवंतिका गैस कंपनी ने शहर के लगभग 12 से 13 स्थानों पर हॉस्टल, अभय प्रशाल, रेस्टोरेंट, छप्पन दुकान क्षेत्र तथा कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े प्रतिष्ठानों को गैस पाइपलाइन कनेक्शन दिए हैं और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। 56 दुकान क्षेत्र में दो दिवस में सभी दुकानों पर गैस पाइपलाइन से कनेक्शन देने के निर्देश अवंतिका के मैनेजमेंट को जिला प्रशासन द्वारा दिए गए हैं ताकि 56 दुकान पर दुकानों के संचालन में कमर्शियल सिलेंडर के अभाव में किसी प्रकार का कार्य बाधित ना हो सकें।

प्रशासन ने बताया है कि जिन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के नजदीक गैस पाइपलाइन की सुविधा है, वे तत्काल आवेदन कर 24 घंटे के भीतर कनेक्शन प्राप्त कर गैस आपूर्ति प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार गठित विशेष टीम द्वारा अभियान चलाकर अधिक से अधिक व्यावसायिक इकाइयों को पाइपलाइन गैस से जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिससे व्यवसायों को सुरक्षित, सुगम और निरंतर गैस आपूर्ति उपलब्ध हो सके,, जहां गैस पाइपलाइन उपलब्ध है और कोई भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान या आम उपभोक्ता कनेक्सन लेना चाहते हैं तो हेल्पलाइन नंबर 7509275091 पर संपर्क कर सकते हे।

दुर्घटना से पीड़ित व्यक्तियों का होगा निशुल्क इलाज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में पीएम राहत योजना के संचालन एवं क्रियान्वयन के संबंध में निजी एवं शासकीय चिकित्सालयों के संचालकों, प्रबंधकों की बैठक का आयोजन आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में किया गया।आयुष्मान योजना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट विशेष रूप से मौजूद थे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि पी.एम. राहत योजना सड़क दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति को तुरंत अस्पताल में भर्ती करने एवं सुनिश्चित उपचार उपलब्ध करवाने की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति जो सड़क दुर्घटना से ग्रस्त हुआ है उसे जीवन रक्षा प्रदान करना क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का जीवन महत्वपूर्ण है। इसलिए निजी एवं शासकीय चिकित्सालयों से अनुरोध है कि वह आज के इस उन्मुखीकरण में बताए गए प्रस्तुतीकरण के द्वारा योजना के विभिन्न पहलूओं को ध्यान से समझे तथा अधिक से अधिक अस्पताल पंजीकृत हों, ऐसी हमारी मंशा है।

आयुष्मान योजना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने बताया कि प्रदेश में अभी तक इस योजना अंतर्गत लगभग 200 से अधिक दुर्घटना ग्रस्त व्यक्तियों को लाभ दिया जा चुका है और इंदौर में सर्वाधिक 24 दुर्घटना ग्रस्त व्यक्तियों को लाभ दिया गया है, इसलिए यह उन्मुखीकरण सर्वप्रथम इंदौर जिले में ही रखा गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पी.एम. राहत योजना (सड़क दुर्घटना पीड़ित अस्पताल में भर्ती एवं सुनिश्चित उपचार) का प्रारंभ जिले में गत 20 फरवरी 2026 से किया गया। योजना अंतर्गत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को दुर्घटना की तिथि से सात दिनों के भीतर डेढ़ लाख रुपये तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। कोई भी अस्पताल दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को उपचार देने से मना नहीं कर सकता है, यदि कोई विदेशी नागरिक भारत में सड़क दुर्घटना में पीड़ित होता है तो उसे भी इस योजना का लाभ दिया जाएगा। दुर्घटना ग्रस्त होने के 24 घंटे के अंदर पीड़ित के अस्पताल पहुंचने पर ही उसे योजना का लाभ मिलेगा, दुर्घटना ग्रस्त होने पर पहला 01 घंटा बहुत महत्वपूर्ण होता है, उसमें उपचार मिलने पर जीवन बचने की संभावना सर्वाधिक होती है।

वह नागरिक जो मोटराईज वाहन द्वारा सड़क पर दुर्घटना ग्रस्त हुए हैं, इसका सत्यापन eDAR (पुलिस द्वारा) तथा ञ्चस्न्र पोर्टल (अस्पताल) के माध्यम से किए जाने पर ही इस योजना के लिए पात्र होगा। इस योजना में गैर-नामित अस्पतालों में भी दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति का स्थिरीकरण उपचार कराना होगा। टोल फ्री नम्बर 112 के माध्यम से एम्बुलेंस एवं पुलिस को सूचना दी जा सकती है। लेण्ड मार्क ऑफ एक्सीडेंट, स्थान, आयु की सूचना भी सत्यापन हेतु डालना आवश्यक होगा।

आयुष्मान योजना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि इंदौर में सेवा का भाव बहुत पहले से है और इस योजना के क्रियान्वयन से भी पहले इंदौर के नागरिक दुर्घटना में पीड़ित राहगिरों की मदद करते रहे हैं। अब इस योजना के माध्यम से जटिलताओं को दूर करते हुए सहज और सरल रुप में पीड़ित को अस्तपाल पहुँचाकर उपचार एवं लाभ दिया जा सकेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, इंदौर डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निजी एवं शासकीय चिकित्सालयों के लगभग 107 प्रतिनिधि आज इस उन्मुखीकरण में प्रतिभाग किया तथा हम यह अपेक्षा करते हैं कि जिले में आयुष्मान भारत योजना क्क्रूछ्वड्ड के अंतर्गत संबद्ध समस्त अस्पताल पी.एम. राहत योजना के अंतर्गत नामित अस्पतालों के रुप में कार्य करेंगे। इसके साथ-साथ ही पी.एम. राहत योजना में आयुष्मान योजना के अंतर्गत संबद्ध अस्पतालों के अतिरिक्त अन्य अस्पतालों को भी नामित किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है।

बैठक में डॉ. नरेंद्र भयड़िया, डॉ. अंकित परिहार, डॉ. नवीन दीवान, श्री घुमेन्द्र दाश्रिये, डॉ. स्वप्निल सेन तथा स्वास्थ्य विभाग के जिले के समस्त कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित थे।

रविवार को भी खुली रहेंगी गैस एजेंसियां, बुकिंग और रिफिल का कार्य जारी रहेगा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में गैस आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के सख्त निर्देशों के तहत रविवार को भी सभी गैस एजेंसियों के कार्यालय खुले रहेंगे तथा गैस बुकिंग और रिफिल का कार्य सामान्य दिनों की तरह किया जाएगा। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सभी सेल्स ऑफिसरों को निर्देशित किया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि रविवार को कोई भी गैस एजेंसी बंद न रहे। एजेंसी संचालकों और उनकी टीमों को पूर्ण क्षमता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए आवश्यक मानव संसाधन, वाहनों और अन्य व्यवस्थाओं की योजना आज ही तैयार करने को कहा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रविवार को भी गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी आपात स्थिति में सामान्य दिनों की तरह जारी रहेगी, ताकि सोमवार को अत्यधिक बैकलॉग की स्थिति न बने और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही गैस प्लांट भी रविवार को क्रियाशील रहेंगे। इस संबंध में जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जिससे गैस की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में साइबर अपराधों से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम और पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना स्तर पर साइबर हेल्प डेस्क के बेहतर संचालन के लिए पुलिसकर्मियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने हेतु एक दिवसीय विशेष साइबर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में तैयार की गई कार्ययोजना के तहत नगरीय क्षेत्र के प्रत्येक थाने से पुलिसकर्मियों को साइबर अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य यह है कि साइबर अपराध से पीड़ित व्यक्ति को थाने में ही उचित समाधान मिल सके और उसे इधर-उधर भटकना न पड़े। इसी क्रम में 14 मार्च 2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) श्री अमित सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह सहित नगरीय इंदौर के सभी डीसीपी, अतिरिक्त डीसीपी और एसीपी उपस्थित रहे। इस दौरान शहर के सभी थानों से आरक्षक और प्रधान आरक्षक स्तर के करीब 80 पुलिसकर्मियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण सत्र में क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त डीसीपी श्री राजेश दंडोतिया तथा क्राइम ब्रांच की टेक्निकल टीम के अनुभवी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुलिसकर्मियों को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकार, उनसे निपटने की प्रक्रिया तथा भारत सरकार द्वारा संचालित ऑनलाइन पोर्टलों की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराध की शिकायत मिलने पर पीड़ित की शिकायत को तुरंत 1930 हेल्पलाइन और cybercrime.gov.in पोर्टल पर दर्ज कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकती है। प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को NCRP, संचार साथी, समन्वय, वात्सल्य मिशन, ई-ष्ठक्र, निदान और साइबर पुलिस पोर्टल जैसे विभिन्न पोर्टलों के उपयोग की जानकारी प्रेजेंटेशन और प्रैक्टिकल डेमो के माध्यम से दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर पीड़ितों को जल्द राहत कैसे दिलाई जाए और अपराधों की विवेचना को किस प्रकार और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

खरगोन जिले के करही में 34 वर्षों से संचालित गौशाला को शासन की गौसंवर्धन नीति से मिला लाभ

गौसंवर्धन के लिए समर्पित सरकार ने बजट में किया है 620 करोड़ रुपये का प्रावधान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभाग में खरगोन जिले के करही में गौसंरक्षण और संवर्धन निराश्रित गौवंश के प्रबंधन के लिए पंजीकृत गौशाला नायाब काम कर रही है। 34 वर्ष पहले नगर के समाज सेवक स्व.श्री अमोलक चंद छाजेड़ ने निजी तौर पर 10 से 11 गौवंश के साथ एक गौशाला प्रारम्भ की थी। आज यह गौशाला क्षेत्र की सबसे बड़ी व विश्वसनीय गौशाला के तौर पर संचालित है। यह गौशाला आज 300 से अधिक गायों के लिए आसरा बनी हुई है। इस तरह की गौशालाओं की आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उस निर्णय का सहारा मिला है,जिसे उन्होंने गौसंवर्धन को बढ़ावा देने के लिए प्रारम्भ किया है। गौशाला संचालक श्री वीरचंद छाजेड़ ने बताया कि गौशाला संचालित करने के लिए दान भी प्राप्त होता है लेकिन बड़ी संख्या में गायों की देखरेख में हमेशा ही आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। इस आवश्यकता को शासन की गौसंवर्धन नीति का बड़ा सहयोग प्राप्त हुआ है, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशेष तौर पर गौवंश के देखरेख व भूसा चारे के लिए 20 रुपये प्रतिदिन से बढ़ाकर 40 रुपये का अनुदान किया है। यह राशि गौवंश के लिए बड़ी उपयोगी साबित हो रही है।

गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने में गौवंश उत्पाद को बढ़ावा- श्री छाजेड़ ने बताया कि गौशाला के लिए दान की आधा एकड़ भूमि पर चरनोई की भूमि पर पशु शेड बनाया गया है। जहां नेपियर घास का प्रबंध भी किया जा रहा है। वहीं गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गोकाष्ठ और जैविक खाद बनाने का कार्य शुरू किया है। किसानों से प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग गौशाला के प्रबंधन के लिए होता है।

क्या है गौसंवर्धन नीति - मप्र में वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसके लिए शासन ने गौसंवर्धन के लिए पशुपालन व डेयरी विभाग को बजट में 620 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। जबकि प्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने के लिए विभाग के लिए 2364.58 करोड़ रुपये कृषि कल्याण वर्ष के लिए रखा है। दुग्ध उत्पादक किसानों के लिए शासन की गौसंवर्धन नीति मुख्य रूप से गौवंश संरक्षण, संवर्धन, निराश्रित (अवारा) गौवंश के प्रबंधन और गौशालाओं को आत्मनिर्भर (स्वावलंबी) बनाने पर केंद्रित है। यह वर्तमान में सबसे प्रमुख और नवीनतम नीति है, जिसे 2025 में मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत किया गया।

प्रदेश को मिल्क केपिटल बनाने में होगा महत्वपूर्ण योगदान- मप्र दुग्ध उत्पादन में 5.95 प्रतिशत वृद्धि के साथ देश में तीसरे स्थान पर है। मप्र को देश की मिल्क केपिटल बनाने की दिशा में शासन द्वारा हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके लिए स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना के साथ ही निजी निवेशकों/संगठनों को बड़े पैमाने पर गौशालाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन देना नीतिगत रूप से प्रारम्भ किया गया है। इसके लिए परियोजना के लिए कम से कम 5000 गौवंश का पालन अनिवार्य (जिसमें 30 प्रतिशत दूधारू नस्ल की गायें हो सकती हैं)। इसके अलावा 5000 गौवंश के लिए अधिकतम 125 एकड़ शासकीय भूमि के उपयोग का अधिकार भी शामिल किया गया है। गौशालाओं में पशु आहार के लिए प्रति गौवंश प्रतिदिन 40 रुपये में दोगुना किया गया। बड़े पैमाने की गौशालाओं (5000-10000 गौवंश) के लिए 30 प्रतिशत वित्तीय सब्सिडी और उद्योगों की तरह अन्य सुविधाएं जैसे भूमि मुफ्त/सस्ती गोबर-गोमूत्र से उत्पाद बनाना, दूध संग्रहण, देशी नस्लों को संरक्षण और प्रोत्साहन, धार्मिक संस्थाओं/दानदाताओं को जोड़ना। वहीं आचार्य विद्यासागर संवर्धन योजना में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए 5 या अधिक दुधारू पशुओं (गाय/भैंस) की इकाई पर सब्सिडी और बैंक ऋण पर ब्याज अनुदान (5 प्रतिशत तक, अधिकतम 25 हजार रुपये प्रतिवर्ष, 7 वर्ष तक) मिलता है। वहीं सामान्य वर्ग के लिए 25 प्रतिशत अनुदान (अधिकतम 1.50 लाख रुपये), अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 33 प्रतिशत (अधिकतम 2 लाख रुपये) का अनुदान मिलता है।

प्रदेश में तीन सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय प्रारम्भ होने के बाद इंदौर में तैयारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2018 में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नवीन संकल्पना के साथ उपलब्ध कराने के लिए सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा प्रारम्भ करने का निर्णय लिया था। इसके बाद शासन द्वारा चार सुपर स्पेशलिटी चिकित्सालय बनाये गए, इसमें इंदौर, जबलपुर, रीवा एवं ग्वालियर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस चिकित्सालय भी खोले, जिसमें जबलपुर में पलमोनरी मेडिसिन के लिए, ग्वालियर में न्यूरोलॉजी के लिए और इंदौर में नेत्र से सम्बंधित बीमारियों के निवारण के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई है।

एमजीएम डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने बताया कि सुपर स्पेशलिटी चिकित्सालय प्रारम्भ कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए कई व्यवस्थाओं में बदलाव किया गया।

इनमें चिकित्सकों के लिए स्पेशल प्रोत्साहन पैकेज बनाए गए। जिसके तहत असिस्टेंट प्रोफेसर को डेढ़ लाख, एसोसिएट प्रोफेसर को ढाई लाख और प्रोफेसर को 3 लाख रुपये सैलरी रखी गयी। साथ ही प्रतिवर्ष 8 प्रतिशत कंपाउंडिंग दर से इंक्रीमेंट निर्धारित किया गया। इसके साथ ही सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन राशि का प्रावधान भी रखा गया, जिसमें उनके द्वारा किए गए।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने एमपीआरडीसी, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाय विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली

सांवेर विधानसभा की सभी निर्माणाधीन सड़कों और पुल-पुलियाओं का निर्माण बारिश के पूर्व करें - मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज निज निवास में एमपीआरडीसी, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाय विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। मंत्री श्री सिलावट ने समीक्षा बैठक के दौरान एमपीआरडीसी के महाप्रबंधक गगन को इन्दौर-सांवेर-उज्जैन 44 किलोमीटर की निर्माणाधीन 40 प्रतिशत सड़क को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये और कहा कि सांवेर की निर्माणाधीन 4 पुलियाओं और सर्विस लेन का निर्माण बरसात के पूर्व कर चालू कराये। उन्होंने इन्दौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कोरिडोर 48 किलोमीटर की बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिये।

मंत्री श्री सिलावट ने एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रवीण यादव को अर्जुन बरोदा और झलारिया फ्लायओवर ब्रिज अंडरपास के निर्माण कार्य को लेकर असंतोष व्यक्त कर कहा कि दोनों मार्गों की सर्विस रोड में बड़े-बड़े गड्ढे होने से इस मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ों लोगों को प्रतिदिन कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, और कई लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे है और अभी भी लम्बे जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, उन्होंने प्रोजेक्ट अधिकारियों को निर्देश दिये कि सर्विस रोड सहित अन्य निर्माण कार्यों की गति बढ़ाये और अप्रैल माह के अंत तक यह कार्य समाप्त कर इसका लोकार्पण कराये।

खेती है किसानों के लिए मंदिर समान, इसमें सीखते रहने की जरूरत-केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री चौधरी

सिपानी कृषि अनुसंधान केंद्र में स्थापना दिवस एवं किसान सम्मेलन आयोजित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत सिपानी कृषि अनुसंधान केंद्र में स्थापना दिवस एवं किसान सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री चौधरी ने सिपानी कृषि अनुसंधान केंद्र का अवलोकन किया। यहां कृषि वैज्ञानिकों द्वारा उन्हें गेहूं की विभिन्न प्रजातियों, उनके बीज, दाना, सिंचाई पद्धति तथा उत्पादन क्षमता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद उन्होंने खेतों का निरीक्षण कर गेहूं की अलग-अलग किस्मों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने सिपानी कृषि अनुसंधान केंद्र में बीज परीक्षण प्रयोगशाला एवं किसान सभागार का शुभारंभ किया तथा बीज प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम में श्री राजेश गुर्जर द्वारा 570 वैरायटी के बीजों के परीक्षण पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। केंद्रीय मंत्री श्री चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि सिपानी कृषि अनुसंधान केंद्र एक अद्भुत शोध संस्थान है, जहां किसानों के हित में निरंतर अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि भारत की रीढ़ है और 146 करोड़ देशवासियों का पेट किसान ही भरता है। किसान कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, यह उसकी महानता है।

उन्होंने किसानों से जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि पर्यावरण और जैव विविधता की रक्षा के लिए यह आवश्यक है। मौसम में हो रहे बदलाव किसानों के लिए बड़ी चुनौती हैं, ऐसे में टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना जरूरी है। श्री चौधरी ने कहा कि खेती किसानों के लिए मंदिर के समान है और इस विद्यालय में लगातार सीखने की आवश्यकता है। सिपानी अनुसंधान केंद्र के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मंत्रालय इस केंद्र को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने किसानों से मिट्टी परीक्षण करवाने और सॉइल हेल्थ कार्ड का लाभ लेने की भी अपील की। कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि सिपानी कृषि अनुसंधान केंद्र ने शोध कार्यों को बढ़ावा देकर किसानों को लाभ पहुंचाया है। शोध कार्यों का परिणाम वर्षों बाद मिलता है, लेकिन इससे कृषि क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन आता है। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति के बाद भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना है और अब गुणवत्ता युक्त उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है। सरकार दलहन एवं तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए भी मिशन मोड में कार्य कर रही है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, डिप्टी कमिश्नर नारकोटिक्स निखिल गांधी, वैज्ञानिक अक्षय तालुकदार, अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, नरेंद्र सिपानी सहित बड़ी संख्या में किसान एवं पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बृजेश जोशी द्वारा किया गया।

मानस विकासखंड में उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा विकासखंड सह समन्वयक साक्षरता श्री मुकेश कुमार बामनिया ने बताया कि संपूर्ण विकासखंड में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत पिछले छह माह से 314 सामाजिक चेतना केंद्र पर 15 वर्ष से अधिक अ साक्षर जिनके पास पढ़ने लिखने का कोई सर्टिफिकेट नहीं है

एवं पढ़ना लिखना नहीं आता है ,उन्हें अक्षर साथियों द्वारा सामाजिक चेतना केंद्रों पर पढ़ना लिखना सिखाया जा रहा है।

राज्य शिक्षा केंद्र के पोर्टल हुहुस्क पर संस्था प्रभारी नोडल शिक्षकों द्वारा कुल 12218 असाक्षर महिला पुरुषों का पंजीयन कर इन नवसाक्षरों को शनिवार को आयोजित उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा में 11500 महिला पुरुषों को सम्मिलित किया गया। नीमच जिले के डीपीसी श्री दिलीप व्यास ,बीआरसी श्री राजेंद्र कुनेचा विकासखंड साक्षरता सह समन्वयक श्री मुकेश कुमार बामनिया, बीएससी श्री उदयराम भाट ने इस परीक्षा का सघन निरीक्षण कर अवलोकन किया संपूर्ण मनासा विकासखंड में प्रदेश के साथ नवभारत साक्षरता परीक्षा सफलता पूर्वक संपन्न हुई है।

प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने नीमच में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ की बैठक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा नीमच जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने शनिवार को नीमच जिले के अल्प प्रवास दौरान सर्किट हाउस नीमच पर जिले केजनप्रतिनिधियों, और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक एवं चर्चा कर नीमच जिले में विकास गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने जिले में घरेलू गैस की उपलब्धता पेट्रोल डीजल की उपलब्धता की स्थिति, पेयजल योजनाओं की क्रियान्वयन, समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की स्थिति एवं तैयारी, ग्रीष्मकल में संभावित पेयजल समस्या से निपटने की कार्य योजना सहित अन्य विकास गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

सीपीएस पद्धति पर सांसद सुधीर गुप्ता ने बोले-खसखस निकालकर डोडा सुरक्षित रखें, मांग पर सरकार को करें सुपुर्द

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसद सुधीर गुप्ता ने क्षेत्र के सीपीएस पद्धति से खेती कर रहे अफीम किसानों से खसखस निकालकर डोडा सुरक्षित रखने और नियमों के तहत सरकार को सुपुर्द करने की बात कही। सांसद गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र का अफीम किसान खेती-किसानी के कार्यों को जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करता है। तथा अफीम उत्पादन से जुड़े नियमों का पालन करता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसान दो प्रकार से अफीम खेती करते है। एक चीरा लगाकर और दूसरी बिना चीरा लगाए सीपीएस पद्धति से।

सांसद ने कहा कि जिन किसानों के पास सीपीएस पद्धति की अफीम का डोडा सूख चुका है, वे उससे खसखस का दाना निकाल सकते हैं और डोडा को सुरक्षित तरीके से अपने घर पर रख सकते हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि डोडा को सुरक्षित रखें और जब सरकार या नारकोटिक्स विभाग निर्धारित कैंप और तारीख के आधार पर मांग करे, तब उसे तोल केंद्र पर ले जाकर सरकार को सौंप दें। उन्होंने कहा कि किसान मेहनती और ईमानदार होते हैं और पूरी प्रामाणिकता के साथ काम करते हैं। किसानों की अपनी ईमानदारी ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए सभी किसान भाई नियमों का पालन करते हुए अपने खेतों में डोडा निकाल सकते हैं, खसखस अलग कर सकते हैं और सुरक्षित तरीके से उसे रख सकते हैं। सांसद ने विश्वास जताया कि क्षेत्र के किसान सरकार के नियमों का पालन करते हुए अफीम उत्पादन की प्रक्रिया को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाएंगे और जब भी नारकोटिक्स विभाग मांग करेगा, तब निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार डोडा जमा कराएंगे।

मंदसौर, मालवा ,मध्य प्रदेश, महिलाओं का गौरव मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा भेजा जाए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष महंत एनडी वैष्णव, महामंत्री कार्यालय प्रभारी सुरेश शर्मा, जिला महामंत्री प्रदेश पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष शिक्षक कांग्रेस बाबूलाल भीरमा आदि ने कांग्रेस के राष्टीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ,लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से पत्र लिखकर मांग की है कि मंदसौर, मालवा, मध्य प्रदेश ,महिलाओं का गौरव पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन राष्टीय सचिव राष्टीय अध्यक्ष राजीव गांधी पंचायती राज संगठन ,तेलंगाना प्रभारी को राज्यसभा भेजा जाए। जिससे मंदसौर जिले में कांग्रेस और सशक्त होकर उभरेगी।

पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा में जाने पर मंदसौर मालवा मध्य प्रदेश सहित महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी राज्यसभा को गौरवान्वित करेगा क्योंकि मीनाक्षी नटराजन प्रदेश के विभिन्न पदों पर रही है और पूरे प्रदेश ही नहीं पूरे देश में गांधीवादी चिंतक, विचारक, मौलिक सृजन की पक्षधर, होकर प्रखर एवं संतुलित वक्ता है। इनकी ईमानदारी, सहजता, सरलताशालीनता और कांग्रेस के प्रति निष्ठा अप्रतिम है। कबीर के दोहे- कबीरा खड़ा बाजार में मांगे सबकी खैर। अपनी कांग्रेस से दोस्ती , ना काहू से बैर। कांग्रेस के प्रति पूरी तरह गहरी निष्ठावान है, उनकी ईमानदारी की मिसाल हर जगह दी जाती है। सहज सरल और दंभ अहंकार से दूर होकर सकारात्मक सोच के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर प्रचलाम निरंतरम का उद्घोष करती हुई आगे रही है वह एक छोटे से कार्यकर्ता से राष्टीय नेता के रूप में उभरी है मंदसौर ,मालवा, मध्य प्रदेश के कांग्रेस जनों के साथ ही आधी आबादी महिलाओं की भी इच्छा है कि मीनाक्षी नटराजन एक बार राज्यसभा में पहुंचकर मध्य प्रदेश का नाम रोशन करें और पूरे देश में महात्मा गांधी से राजीव गांधी तक कांग्रेस के विचारों प्रचारित, प्रसारित प्रकाशित कर कांग्रेस को राज्यसभा में नई ऊंचाइयां प्रदान करें।

एनडीपीएस धारा 8/29 मुद्दा : अफीम किसानों ने कहा दलालों और मुखबिरों से मिलेगी राहत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफीम उत्पादक किसानों ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 को हटाने की मांग उठाते हुए इसे किसान हित में जरूरी बताया है। किसानों का कहना है कि इस धारा का सबसे अधिक दुरुपयोग दलालों और मुखबिरों द्वारा किया जाता है, जिससे ईमानदार किसान परेशान होते हैं। किसानों के अनुसार यदि सरकार एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 को समाप्त करती है तो अफीम उत्पादक किसानों को बड़ी राहत मिलेगी और दलालों के जरिए होने वाली परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। किसानों का आरोप है कि कई मामलों में दलाल किसानों को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देकर आर्थिक लाभ उठाते हैं। इस मुद्दे को लेकर राजस्थान के निम्बाहेड़ा (जिला चित्तौड़गढ़) के विधायक श्रीचंद कृपलानी और मंदसौर के पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने भी अफीम किसानों की आवाज उठाई है और धारा 8/29 हटाने की पैरवी की है। उनका कहना है कि इस धारा के कारण कई निर्दोष किसान परेशान हुए हैं, इसलिए सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। किसान बगदीराम पाटीदार,सत्य नारायण पाटीदार, किशन लाल धनगर, गोपाल धनगर, भुवानीराम प्रजापत सहित अन्य किसानों ने आरोप लगाया कि कई बार दलाल किसानों के खातों में पैसे डालकर या चेक के माध्यम से लेन-देन दिखाकर उन्हें कानूनी उलझनों में फंसा देते हैं। इससे किसानों को जेल तक जाना पड़ता है और कई मामलों में उन्हें अपनी कृषि भूमि तक बेचनी पड़ जाती है। अफीम उत्पादक किसानों का कहना है कि यदि सरकार किसान हित में निर्णय लेते हुए धारा 8/29 को समाप्त करती है तो किसानों के घर खुशहाली आएगी और उन्हें दलालों व मुखबिरों के जाल से मुक्ति मिलेगी। किसानों ने सरकार से इस विषय में जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की है।

उद्यानिकी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई की संभावनाएं एवं अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण दिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर में उद्यानिकी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई.) की संभावनाएं एवं अनुप्रयोग विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर अनुसूचित जाति उपयोजना (आईसीएआर एससी एंड एसपी सबप्लान) के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में चंडीगढ़ से आए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशेषज्ञ डॉ. दुष्यंत कुमार सिंह ने विद्यार्थियों एवं स्टाफ को उद्यानिकी में एआई तकनीक के उपयोग के बारे में जानकारी दी। अपने व्याख्यान में उन्होंने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से फसलों की निगरानी, कीट एवं रोग पहचान, स्मार्ट सिंचाई तथा उत्पादन का पूर्वानुमान आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ड्रोन, सेंसर और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से किसानों को सही समय पर सही निर्णय लेने में मदद मिलती है। डॉ. दुष्यंत कुमार सिंह ने यह भी बताया कि भविष्य में एआई तकनीकें उद्यानिकी क्षेत्र को अधिक आधुनिक, उत्पादक और टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछकर विषय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। यह कार्यक्रम उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर के अधिष्ठाता डॉ. दीपक हरि रानाडे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया तथा कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. रूपेश चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

संसद में नीमच को राजस्थान बताने पर कांग्रेस का विरोध, अस्मिता का अपमान बताया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संसद में वित्त मंत्री द्वारा नीमच जिले को राजस्थान का हिस्सा बताए जाने के बयान पर जिले की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे जिले की पहचान और अस्मिता से जुड़ा गंभीर मामला बताया है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरूण बाहेती ने कहा कि संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर देश की वित्त मंत्री द्वारा नीमच को राजस्थान में बताना केवल एक सामान्य भूल नहीं, बल्कि जिले की ऐतिहासिक पहचान और गौरव का अपमान है। उन्होंने कहा कि नीमच ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आज भी अफीम उत्पादन तथा बड़ी कृषि उपज मंडी के कारण देश-विदेश में अपनी पहचान रखता है। इसके बावजूद वित्त मंत्री को नीमच की भौगोलिक स्थिति की जानकारी नहीं होना आश्चर्यजनक है।

बाहेती ने कहा कि यदि केंद्र सरकार के सामने नीमच जिले के मुद्दे प्रभावी ढंग से उठाए जाते तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा सरकार के वर्षों के कार्यकाल में भी नीमच की समस्याओं को पर्याप्त रूप से नहीं उठाया गया।

सांसद की भूमिका पर भी उठाए सवाल- जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने इस मामले में क्षेत्रीय सांसद की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि सांसद संसद में अपने क्षेत्र की समस्याओं और पहचान को मजबूती से रखते तो इस प्रकार की गलती नहीं होती। उन्होंने कहा कि नीमच के प्रमुख मुद्दों, विशेषकर अफीम से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से नहीं उठाया गया।

नीमच की पहचान को लेकर जताई चिंता- बाहेती ने कहा कि नीमच अपनी ऐतिहासिक विरासत, अफीम उत्पादन और कृषि क्षेत्र में योगदान के कारण देश में विशेष पहचान रखता है। यहां के हजारों किसान अफीम उत्पादन से जुड़े हैं और यह क्षेत्र आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। ऐसे जिले को दूसरे राज्य का हिस्सा बताना यहां के नागरिकों और किसानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है।

कांग्रेस ने की निंदा- कांग्रेस ने वित्त मंत्री के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को जिले की पहचान और महत्व को केंद्र सरकार के सामने मजबूती से रखना चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति दोबारा न बने

चारा एवं भूसे के अवैध परिवहन पर प्रशासन की कार्रवाई, चार ट्रक जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में पशु चारे की उपलब्धता बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा चारा एवं भूसे के जिले से बाहर निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अदिती गर्ग द्वारा जारी आदेश के अनुसार पशुओं के आहार में आने वाले सभी प्रकार के चारा, भूसा, घास, ज्वार आदि का उपयोग ईंट भट्टों एवं फैक्ट्रियों में जलाने तथा जिले की सीमा से बाहर निर्यात करने पर 31 मई 2026 तक प्रतिबंध लगाया गया है। मंदसौर एसडीएम ग्रामीण शुभम पाटीदार ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में भावगढ़ से दलौदा मार्ग पर कार्रवाई करते हुए चार ट्रकों को जप्त किया गया। ये ट्रक पशु चारा एवं भूसे से ओवरलोड होकर जिले की सीमा से बाहर अन्य उपयोग के लिए जावरा ले जाए जा रहे थे। तहसीलदार दलौदा ने पटवारी दल के साथ मौके पर पहुंचकर चारों ट्रकों को जप्त किया तथा उन्हें थाना भावगढ़ की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि प्रतिबंध अवधि के दौरान चारा एवं भूसे के अवैध परिवहन, भंडारण या अन्य उपयोग पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व अधिकारियों द्वारा गैस एजेंसियों के वितरण केन्द्रों का निरीक्षण किया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर की निर्बाध आपूर्ति के लिए कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशानुसार जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में गैस एजेंसियों के वितरण केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है।

प्रशासन द्वारा घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी के तहत आज 14 मार्च को जावरा स्थित भोलेनाथ गैस एजेंसी के कार्यालय एवं गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गैस स्टॉक, रिकॉर्ड एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की गई।

इसके साथ ही जावरा भारत गैस एजेंसी के गोदाम की भी जांच की गई। अधिकारियों द्वारा गैस सिलेंडरों के रखरखाव एवं वितरण व्यवस्था का जायजा लिया गया। सैलाना क्षेत्र में स्थित शिवगढ़ ग्रामीण वितरण केंद्र का भी निरीक्षण किया गया।

आरटीओ ने किया पांच स्कूल के 40 वाहनों की जांच

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आरटीओ अधिकारी मंदसौर ने बताया कि आरटीओ मंदसौर द्वारा 5 स्कूल वात्सल्य पब्लिक स्कूल, शिशुवन स्कूल, दशपुर विद्यालय, लोटस वैली स्कूल, करणी इंटरनेशनल स्कूल में औचक निरीक्षण कर लगभग 40 वाहनों की जांच की गई है। सभी स्कूल संचालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि कोई भी स्कूल वाहन परिवहन विभाग के मापदण्ड के अनुसार फिट तथा संपूर्ण दस्तावेज पूर्ण होने पर व चालकों का पुलिस सत्यापन कराने के पश्चात ही वाहनों को संचालित करें।

भाजपा नेता सुनील जैन के हाथों 15 छात्राओं को साइकिल वितरित

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भेसरोडगढ़ मंडल के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोपालपुरा में निःशुल्क साइकल वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा भेसरोड़गढ़ मण्डल अध्यश सुनील जैन रहे कार्यक्रम के दौरान श्री जैन ने सम्बोधित करते हुए कहा राज्य सरकारकी यह महत्वपूर्ण योजना के माध्यम से पूरे राजस्थान में हज़ारों बालिकाएं लाभान्वित हो रही इस योजना से छात्राओं को दूरस्थ स्थान से आने में आसानी होगी और पढ़ाई के प्रति उनका रुजान बढ़ेगा । गोपालपुरा विद्यालय में 15 बालिकाओं को नि- शुल्क साइकिलों का वितरण भाजपा भेसरोडगढ़ मण्डल अध्यक्ष सुनील जी जैन ने किया इस अवसर पर भाजपा भेसरोडगढ़ मण्डल महामंत्री रामलाल भील युवा मोर्चा भेसरोडगढ़ मण्डल अध्यश बँटी मेवाडा किसान मोर्चा के फ़ोरूलाल राठौर भँवरलाल धाक़ड दिनेश राठौर प्रिंसीपल मैडम सहित विधालय स्टाफ सहित बालक और बालीकाये मोजूद रहे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा शासन की किसानो को डिफॉल्टर बनाने की सरकारी साजिश, गेहूं खरीदी 1 अप्रैल से और ऋण वसूली 28 मार्च तक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान में किसान एक ऐसी विकट परिस्थिति में फंस गया है जहाँ सरकारी नीतियों के आपसी तालमेल की कमी किसानों को %डिफॉल्टर% बनाने पर आमादा है। एक तरफ शासन ने कृषि ऋण वसूली की अंतिम तिथि 28 मार्च तय की है, तो दूसरी तरफ गेहूं खरीदी तौल की शुरुआत को 15 मार्च से बढ़ाकर 1 अप्रैल कर दिया गया है। सरकारी तंत्र की यह विसंगति किसानों के लिए दोहरी मार साबित हो रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने किसान हित का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अमूमन परंपरागत रूप से ऐसा होता हैं की किसान सरकारी खरीद में गेहूं तौलता हैं जिससे सहकारी समिति से लिया गया कृषि ऋण स्वत ही जमा हो जाता है। अब इस वर्ष नीमच जिले सहित प्रदेश में पंजीयन किये गए गेहूं तौल की तिथि 15 दिन आगे बढ़ाए जाने और सहकारी समितियों के कृषि ऋण की वसूली की समय सीमा गेहूं तौल से पहले रखने से किसान निर्धारित 28 मार्च को अपना ऋण जमा ही नहीं करा पायेगा और इस व्यवस्था से किसानो के खाते अपने आप ही ओवरड्यू हो जायेंगे और उन्हें डिफॉल्टर घोषित कर दिया जाएगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री बाहेती ने कहा की शासन की नीतियों में आपसी समन्वय का अभाव साफ दिखाई दे रहा है और इसका खामियाजा सीधे किसानों को भुगतना पड़ रहा है। एक तरफ सरकार किसानों से ऋण वसूली की अंतिम तिथि तय कर रही है, वहीं दूसरी ओर उनकी उपज की खरीदी प्रक्रिया ही आगे बढ़ा दी गई है। इससे किसानों के सामने संकट खड़ा होना स्वाभाविक है। बाहेती ने ऋण जमा करने की तिथि 15 जून तक करने की मांग करी है। परंपरागत व्यवस्था इस बार बदली-

श्री बाहेती ने बताया कि सामान्य रूप से हर वर्ष 15 मार्च के आसपास गेहूं खरीदी शुरू हो जाती थी। किसान अपनी फसल मंडी या उपार्जन केंद्रों पर बेचकर समय सीमा के भीतर सहकारी समितियों का कर्ज चुका देता था। लेकिन इस बार खरीदी की तिथि 1 अप्रैल से निर्धारित कर दी गई है। इससे किसानों की पूरी आर्थिक योजना प्रभावित हो गई है।

भुगतान प्रक्रिया में भी लग जाता है समय- उन्होंने कहा कि फसल बेचने के बाद भी किसानों को तत्काल भुगतान नहीं मिलता। उपार्जन प्रक्रिया के तहत तौल, पंजीयन और भुगतान की औपचारिकताओं में करीब 10 से 15 दिन का समय लग जाता है। यदि खरीदी 1 अप्रैल से शुरू होगी तो किसानों को भुगतान अप्रैल के मध्य के बाद ही मिल पाएगा। ऐसे में 28 मार्च तक ऋण जमा करने की शर्त पूरी करना लगभग असंभव है। डिफॉल्टर बनने का खतरा- श्री बाहेती ने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते इस विसंगति को दूर नहीं किया तो बड़ी संख्या में किसानों के ऋण खाते ओवरड्यू हो जाएंगे। इससे उन पर अतिरिक्त ब्याज का बोझ बढ़ेगा और वे डिफॉल्टर की श्रेणी में आ जाएंगे। पहले से ही मौसम की मार, बढ़ती लागत और फसल के उचित दाम नहीं मिलने से किसान परेशान है। कई किसानों को अभी तक ओलावृष्टि का मुआवजा और फसल बीमा की राशि भी नहीं मिली है।

सरकार से तत्काल निर्णय की मांग- उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में किसानों के हित में काम करना चाहती है तो उसे इस व्यवस्था में तुरंत सुधार करना चाहिए। या तो गेहूं खरीदी की तिथि पहले की तरह प्रभावी की जाए या फिर सहकारी ऋण वसूली की अंतिम तिथि बढ़ाकर कम से कम 15 जून की जाए, ताकि किसान अपनी उपज बेचकर सहज रूप से कर्ज चुका सके।

किसानों के हित में निर्णय जरूरी- जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री बाहेती ने कहा कि अन्नदाता को प्रशासनिक और तकनीकी प्रक्रियाओं के जाल में फंसाकर डिफॉल्टर बनाना उचित नहीं है। यदि किसानों की इस समस्या का समाधान जल्द नहीं किया गया तो यह मुद्दा बड़ा आंदोलन खड़ा कर सकता है। उन्होंने शासन से मांग की है कि किसानों की स्थिति को समझते हुए तत्काल व्यावहारिक निर्णय लिया जाए, ताकि अन्नदाता को अनावश्यक आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े।

सम्पादकीय

आईसीसी में 'नो हैंडशेक', आईपीएल में पाकिस्तानी?

सोशल मीडिया पर कुछ उपयोगकर्ताओं ने अबरार अहमद के पुराने पोस्टों का हवाला देते हुए दावा किया कि उन्होंने भारत से जुड़े सैन्य घटनाक्रमों पर आपत्तिजनक टिप्पणियाँ की थीं। इसके बाद कुछ समूहों ने सनराइजर्स ब्रांड के खिलाफ बहिष्कार की मांग शुरू कर दी और कई हैशटैग चलने लगे। अनेक पोस्टों में टीम प्रबंधन और विशेष रूप से काव्या मारन की आलोचना की गई। इस प्रकार एक खिलाड़ी की खरीद का मामला केवल खेल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय भावना और राजनीतिक संदर्भों से भी जुड़ गया। क्रिकेट लंबे समय से भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद संवाद और संपर्क का एक माध्यम माना जाता रहा है। कई अवसरों पर यह खेल कूटनीतिक पुल की तरह भी काम करता रहा है, जिसने राजनीतिक मतभेदों के बीच भी दोनों देशों के लोगों को जोड़ने में भूमिका निभाई। किंतु हाल के वर्षों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, डिजिटल मीडिया की तीखी प्रतिक्रियाएँ और राष्ट्रवादी भावनाओं की तीव्रता ने इस परंपरा को चुनौती देना शुरू कर दिया है।

इसी पृष्ठभूमि में इंग्लैंड की फ्रैंचाइज़ी लीग द हंड्रेड की 2026 की नीलामी में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को सनराइजर्स लीड्स द्वारा खरीदे जाने के बाद एक नया विवाद सामने आया। यह टीम भारतीय आईपीएल फ्रैंचाइज़ी सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ी मानी जाती है और इसके साथ काव्या मारन का नाम भी जोड़ा जाता है। खेल की एक सामान्य नीलामी का यह निर्णय देखते ही देखते सोशल मीडिया की बहस, राष्ट्रीय भावना और वैश्विक क्रिकेट की स्वायत्तता से जुड़ी बड़ी चर्चा में बदल गया।

मार्च 2026 में आयोजित इस नीलामी में सनराइजर्स लीड्स ने अबरार अहमद को लगभग 1.9 लाख पाउंड में अपनी टीम में शामिल किया। टीम प्रबंधन के अनुसार यह निर्णय पूरी तरह क्रिकेटीय आवश्यकताओं के आधार पर लिया गया था। टीम को मध्य ओवरों में विकेट लेने वाले एक विदेशी स्पिनर की आवश्यकता थी, क्योंकि उनके प्रमुख स्पिनर आदिल रशीद किसी अन्य फ्रैंचाइज़ी से जुड़ चुके थे। टीम के कोच डेनियल विट्टोरी ने भी स्पष्ट किया कि चयन कई विकल्पों पर विचार करने के बाद किया गया और अबरार टीम की रणनीति के अनुसार सबसे उपयुक्त खिलाड़ी थे। इंग्लैंड के क्रिकेट प्रशासनिक निकाय इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भी यह रुख दोहराया कि लीग में खिलाड़ियों का चयन उनकी राष्ट्रीयता के आधार पर नहीं, बल्कि उनके प्रदर्शन और टीम की आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है। हालांकि यह निर्णय जल्द ही विवाद का विषय बन गया। सोशल मीडिया पर कुछ उपयोगकर्ताओं ने अबरार अहमद के पुराने पोस्टों का हवाला देते हुए दावा किया कि उन्होंने भारत से जुड़े सैन्य घटनाक्रमों पर आपत्तिजनक टिप्पणियाँ की थीं। इसके बाद कुछ समूहों ने सनराइजर्स ब्रांड के खिलाफ बहिष्कार की मांग शुरू कर दी और कई हैशटैग चलने लगे। अनेक पोस्टों में टीम प्रबंधन और विशेष रूप से काव्या मारन की आलोचना की गई। इस प्रकार एक खिलाड़ी की खरीद का मामला केवल खेल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय भावना और राजनीतिक संदर्भों से भी जुड़ गया।

भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट संबंधों को समझे बिना इस विवाद को पूरी तरह समझना कठिन है। दोनों देशों के बीच क्रिकेट लंबे समय से राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित रहा है। 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद से पाकिस्तान के खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शामिल नहीं किया गया। इसके बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट श्रृंखलाएँ भी लगभग समाप्त हो गईं। हालांकि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दोनों टीमें आमने-सामने खेलती रही हैं और इन मुकाबलों में खेल के साथ-साथ राष्ट्रीय भावना भी तीव्र रूप में दिखाई देती है।

हाल के वर्षों में कुछ मैचों के बाद खिलाड़ियों के बीच पारंपरिक हाथ मिलाने की रस्म को लेकर भी चर्चा हुई। उदाहरण के तौर पर एक मुकाबले के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा के बीच हाथ न मिलाने की घटना मीडिया में चर्चा का विषय बनी। इन घटनाओं ने यह संकेत दिया कि खेल और राजनीति को पूरी तरह अलग रखना हमेशा संभव नहीं होता, विशेषकर तब जब दोनों देशों के संबंध पहले से ही संवेदनशील हों।

इस विवाद को आधुनिक फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट के व्यापक संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। पिछले एक दशक में क्रिकेट का स्वरूप काफी बदल गया है। आईपीएल, द हंड्रेड और अन्य टी-20 लीगों ने क्रिकेट को एक वैश्विक व्यावसायिक उद्योग का रूप दे दिया है। इन लीगों में खिलाड़ी विभिन्न देशों की टीमों के लिए खेलते हैं और टीम मालिक भी अलग-अलग देशों से आते हैं। ऐसे में खिलाड़ियों का चयन अक्सर पूरी तरह पेशेवर मानकों के आधार पर किया जाता है। टीमों का प्राथमिक उद्देश्य प्रतिस्पर्धी संयोजन तैयार करना होता है, न कि राष्ट्रीय राजनीति के आधार पर निर्णय लेना। सनराइजर्स लीड्स का निर्णय भी इसी दृष्टिकोण से देखा जा सकता है।

क्रिकेट के तकनीकी दृष्टिकोण से देखें तो अबरार अहमद का चयन पूरी तरह तार्किक भी माना जा सकता है। आधुनिक सीमित ओवरों के क्रिकेट में लेग स्पिनरों की मांग तेजी से बढ़ी है, क्योंकि वे बल्लेबाजों को चौंकाने और मध्य ओवरों में विकेट लेने की क्षमता रखते हैं।

गृहस्थ धर्म का विवेकपूर्ण पालन ही परमात्मा से योग का सहज साधन है

योग का शाब्दिक अर्थ होता है जोड़ना या मिलना। कालांतर में अनेक प्रसिद्ध व अप्रसिद्ध योगों का प्रादुर्भाव हुआ, परंतु मनुष्य योग क्यों और किससे करना चाहता है? यह एक यक्ष प्रश्न है। वास्तव में भौतिक संसार अपूर्ण है, विज्ञान की दृष्टि से देखें तो प्रत्येक अणु परमाणु स्थायित्व को प्राप्त करने के लिए अपने इलेक्ट्रॉन्स का आदान-प्रदान कर किसी दूसरे तत्व से योग द्वारा पूर्ण होना चाहता है। मानव भी पांच तत्वों से निर्मित है अपूर्ण है, पूर्ण होना चाहता है।

किसी भी स्थान पर पहुंचने के अनेक मार्ग हो सकते हैं। इसी प्रकार आत्मविस्तार, आत्मज्ञान या आत्मसाक्षात्कार के भी विभिन्न मार्ग हो सकते हैं। सभी का उद्देश्य एक ही होता है - आत्म तत्व को जानना, आत्मा का परमात्मा से योग, असत्य से सत्य की ओर या अंधकार से प्रकाश की ओर गमन। अधिकांश मार्ग संसार से वैराग्य की ओर ले जाते हैं, संसार को भोगते हुए बैरागी होना नहीं सिखाते। यह कला केवल भारतीय गृहस्थ आश्रम में संभव है। भारतीय संस्कृति पर आधारित गृहस्थ धर्म का विवेकपूर्ण पालन ही सहज योग है। श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रदत्त सहज योग आत्मोन्नति का एक सर्वसुलभ अल्प श्रमसाध्य योग है। सहजयोग में साधना का आरंभ उस स्थान से होता है जहां तक पहुंचने के लिए साधकों को कई वर्षों के कठिन तप या कभी-कभी कई जन्मों के कठिन तप से गुजरना पड़ता है। यह दूरी श्री माताजी के समक्ष क्षण भर में पूरी हो जाती है, आप तत्क्षण परम चैतन्य से एकीकृत हो जाते हैं। और इसके लिए संसार की किसी भी शास्त्रोक्त भोग्य वस्तु अथवा संबंध आदि का त्याग नहीं करना होता, ना ही कोई धन देना होता है। श्री चरणों में पूर्ण समर्पण ही एकमात्र योग्यता है। परंतु जैसा कि हमने पूर्व में कहा है कि आत्मा का साधन भौतिक शरीर है तथा भौतिक तत्व अपूर्ण व त्रुटि पूर्ण है। अतः हमें अपनी कनेक्टिविटी को बनाए रखने के लिए सुबह-शाम कुछ मिनट निर्विचार ध्यान में स्थित होना होता है, जो सहज ही संभव हो जाता है। सहजयोगी होना तभी संभव है जब आप गृहस्थ धर्म का पालन करते हैं। क्योंकि सहज योग में त्याग मात्र अहंकार, लोभ, मोह, क्रोध, ईर्ष्या एवं दुर्व्यसनों का करना होता है अन्य किसी का नहीं। सहजयोगी वही हो सकते हैं जो प्रेममय, आनंदमय व संतुष्ट गृहस्थ योगी होते हैं।

भारत में चाइल्डहुड ओबेसिटीः उभरती हुई साइलेंट पैन्डेमिक

भारत लंबे समय तक कुपोषण और अल्पपोषण की समस्या से जूझता रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में एक नई स्वास्थ्य चुनौती तेजी से उभर कर सामने आई है– चाइल्डहुड ओबेसिटी। यह समस्या धीरे-धीरे फैल रही है और इसके प्रभाव लंबे समय तक दिखाई देते हैं, इसलिए इसे ÷साइलेंट पैन्डेमिक÷ कहा जाता है। बदलती जीवनशैली, शहरीकरण, तकनीकी प्रगति और भोजन की आदतों में आए परिवर्तन ने बच्चों के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है। पहले जहाँ भारतीय बच्चों में कुपोषण प्रमुख समस्या थी, वहीं अब कई बच्चे अधिक वजन और मोटापे से भी प्रभावित हो रहे हैं। यह स्थिति भारत के लिए विशेष रूप से चिंता का विषय है क्योंकि देश की बड़ी आबादी युवा है और बच्चों का स्वास्थ्य सीधे भविष्य की मानव पूंजी से जुड़ा हुआ है।

भारत में बाल मोटापे की समस्या शहरी क्षेत्रों में अधिक स्पष्ट दिखाई देती है, लेकिन अब यह धीरे-धीरे ग्रामीण क्षेत्रों में भी फैलने लगी है। इसके पीछे कई सामाजिक और व्यवहारिक कारण कार्य कर रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण कारण तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण और उससे जुड़ी जीवनशैली है। शहरों में बच्चों के पास खेलने के लिए पर्याप्त खुले मैदान या सुरक्षित स्थान नहीं होते। अपार्टमेंट संस्कृति, ट्रैफिक और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण बच्चे बाहर खेलने के बजाय घर के अंदर समय बिताने लगे हैं। इसके परिणामस्वरूप उनकी शारीरिक गतिविधि कम हो जाती है और वे अधिकतर समय बैठकर पढ़ाई करने, टीवी देखने या मोबाइल फोन का उपयोग करने में बिताते हैं। यह निष्क्रिय जीवनशैली मोटापे के प्रमुख कारणों में से एक बन चुकी है।

भोजन की आदतों में आया परिवर्तन भी बाल मोटापे की समस्या को बढ़ा रहा है। पारंपरिक भारतीय आहार, जिसमें दाल, सब्ज़ियाँ, अनाज और फल प्रमुख थे, धीरे-धीरे फास्ट फूड और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों से प्रतिस्थापित हो रहा है। पिज़्ज़ा, बर्गर, चिप्स, पैकेज्ड स्नैक्स और शर्करा युक्त पेय पदार्थ बच्चों के आहार का सामान्य हिस्सा बन गए हैं। ये खाद्य पदार्थ कैलोरी में अधिक और पोषण में कम होते हैं, जिससे शरीर में अतिरिक्त वसा का संचय होने लगता है। साथ ही, बहुराष्ट्रीय खाद्य कंपनियों और फास्ट फूड उद्योग के विस्तार ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया है।

मीडिया और विज्ञापन भी बच्चों की भोजन संबंधी पसंद को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। टेलीविजन, इंटरनेट और सोशल मीडिया पर जंक फूड के आकर्षक विज्ञापन बच्चों को ऐसे खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित करते हैं। कई कंपनियाँ कार्टून चरित्रों और रंगीन पैकेजिंग का उपयोग करके बच्चों को लक्षित करती हैं। परिणामस्वरूप बच्चे पौष्टिक भोजन के बजाय अधिकतर जंक फूड की मांग करते हैं। इसके अलावा स्कूलों के आसपास फास्ट फूड की दुकानों की उपलब्धता भी इस समस्या को बढ़ाती है।

परिवार और सामाजिक परिवेश भी बच्चों की जीवनशैली को प्रभावित करते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के कारण माता-पिता के पास बच्चों के लिए घर का बना पौष्टिक भोजन तैयार करने का समय कम होता है। कई बार माता-पिता बच्चों को खुश करने या पुरस्कार देने के लिए उन्हें जंक फूड देते हैं। इससे धीरे-धीरे बच्चों में अस्वस्थ भोजन की आदत विकसित हो जाती है। इसके अतिरिक्त, यदि परिवार में मोटापा या मधुमेह जैसी समस्याएँ मौजूद हों, तो बच्चों में भी मोटापे की संभावना बढ़ जाती है।

व्यवहारिक स्तर पर भी कई ऐसे कारक हैं जो बाल मोटापे को बढ़ावा देते हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी सबसे प्रमुख कारण है। बच्चों का अधिकांश समय स्कूल, कोचिंग और होमवर्क में बीतता है, जिससे खेलकूद के लिए समय कम बचता है। इसके अलावा डिजिटल तकनीक के प्रसार ने बच्चों के जीवन में स्क्रीन टाइम को काफी बढ़ा दिया है। मोबाइल फोन, वीडियो गेम, ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया के कारण बच्चे लंबे समय तक बैठे रहते हैं। यह निष्क्रिय व्यवहार ऊर्जा खर्च को कम करता है और मोटापे का जोखिम बढ़ाता है।

अनियमित भोजन की आदतें भी मोटापे की समस्या को बढ़ाती हैं। कई बच्चे नाश्ता छोड़ देते हैं, देर रात भोजन करते हैं या दिनभर में बार-बार स्नैक्स खाते रहते हैं। इन आदतों से शरीर का चयापचय प्रभावित होता है और वजन बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। इसके साथ ही पर्याप्त नींद की कमी भी एक महत्वपूर्ण कारक है। देर रात तक मोबाइल या टीवी देखने के कारण बच्चों की नींद पूरी नहीं होती, जिससे भूख और तृप्ति से जुड़े हार्मोन प्रभावित होते हैं और अधिक खाने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। प्रारंभिक जीवन से जुड़े कुछ कारक भी बाल मोटापे के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। जैसे कि शिशु अवस्था में स्तनपान की कमी, मातृ मोटापा और गर्भावस्था के दौरान असंतुलित पोषण भविष्य में बच्चे के चयापचय को प्रभावित कर सकते हैं। इन कारकों के कारण बच्चे में मोटापे का जोखिम बढ़ जाता है।

बाल मोटापे के प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिणाम भी होते हैं। सबसे पहले, यह कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को बढ़ा देता है। मोटापे से ग्रस्त बच्चों में टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और फैटी लिवर जैसी समस्याएँ कम उम्र में ही विकसित हो सकती हैं। पहले ये बीमारियाँ मुख्य रूप से वयस्कों में देखी जाती थीं, लेकिन अब बच्चों और किशोरों में भी इनके मामले बढ़ रहे हैं।

इसके अलावा मोटापा बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। अधिक वजन वाले बच्चों को अक्सर साथियों द्वारा उपहास या भेदभाव का सामना करना पड़ता है, जिससे उनका आत्मविश्वास कम हो सकता है। इससे अवसाद, चिंता और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इस प्रकार मोटापा बच्चों के समग्र विकास को बाधित करता है।

बाल मोटापे का एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक प्रभाव यह है कि यह वयस्कता में भी बना रह सकता है। कई शोध बताते हैं कि मोटापे से ग्रस्त बच्चे बड़े होकर भी मोटापे से पीड़ित रहते हैं। इससे जीवन के बाद के वर्षों में हृदय रोग, कैंसर और अन्य गैर-संचारी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इस प्रकार बाल मोटापा भविष्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत भी है।

आर्थिक दृष्टि से भी यह समस्या गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकती है। मोटापे से संबंधित बीमारियों के उपचार पर स्वास्थ्य प्रणाली का खर्च बढ़ सकता है। इसके साथ ही कार्य क्षमता और उत्पादकता में कमी आने से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी बोझ बढ़ेगा। भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

मानव पूंजी के दृष्टिकोण से भी बाल मोटापा चिंता का विषय है। बच्चों का स्वास्थ्य उनके शारीरिक और मानसिक विकास को प्रभावित करता है, जो आगे चलकर उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों और कार्य क्षमता को प्रभावित कर सकता है। यदि बड़ी संख्या में बच्चे मोटापे और उससे जुड़ी बीमारियों से प्रभावित होते हैं, तो यह देश की दीर्घकालिक विकास क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है।

इस समस्या से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सबसे पहले, पोषण शिक्षा को बढ़ावा देना आवश्यक है ताकि बच्चे और उनके माता-पिता स्वस्थ भोजन के महत्व को समझ सकें। स्कूलों में नियमित खेल गतिविधियों और शारीरिक शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही स्कूल कैंटीन में जंक फूड की बिक्री पर नियंत्रण और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

सरकार को खाद्य उद्योग के नियमन के लिए भी कदम उठाने चाहिए। जंक फूड के विज्ञापनों पर नियंत्रण, खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट पोषण लेबलिंग और उच्च चीनी व वसा वाले उत्पादों पर कर जैसे उपाय उपयोगी हो सकते हैं। शहरी नियोजन में भी बच्चों के लिए पार्क, खेल मैदान और साइकिल ट्रैक जैसे सार्वजनिक स्थानों का विकास किया जाना चाहिए। अंततः परिवार और समुदाय की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। माता-पिता को बच्चों को संतुलित आहार देने, स्क्रीन टाइम सीमित करने और खेलकूद के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। स्वस्थ जीवनशैली को परिवार और समाज दोनों स्तरों पर प्रोत्साहित करना होगा। इस प्रकार, भारत में चाइल्डहुड ओबेसिटी एक उभरती हुई साइलेंट पैन्डेमिक है जो बदलती सामाजिक संरचना और जीवनशैली का परिणाम है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप ले सकती है। इसलिए आवश्यक है कि सरकार, समाज, स्कूल और परिवार मिलकर समन्वित प्रयास करें ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सक्षम भारत का निर्माण किया जा सके।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

मसला ये है कि वह इतना ईमानदार कैसे हो गया?

आजकल शहर में एक नया कौतूहल पैदा हो गया है। लोग न मंदिर में उतने सवाल पूछते हैं, न संसद में, जितना इस एक आदमी को लेकर पूछ रहे हैं भाई, वह इतना ईमानदार कैसे हो गया? मोहल्ले की चाय की दुकान से लेकर बड़े-बड़े दफ्तरों तक यही चर्चा है। लोग चाय की चुस्की लेते हुए माथे पर बल डालकर कहते हैं कुछ तो गड़बड़ है।

एक बुजुर्ग बोले भाई, यह स्वाभाविक नहीं है। हमारे ज़माने में भी लोग ईमानदार होते थे, पर इतने नहीं। यह तो कुछ ज़्यादा ही हो गया। कहीं इसे कोई अजीब बीमारी तो नहीं लग गई?

दूसरे ने गंभीर होकर कहा – हो सकता है इसे किसी दुर्लभ किस्म के कीड़े ने काट लिया हो। आजकल तरह-तरह के वायरस फैल रहे हैं डेंगू, चिकनगुनिया, कोरोना और अब शायद ऑनेस्टी वायरस भी आ गया हो।

तीसरे सज्जन बोले नहीं-नहीं, यह सब मेडिकल मामला नहीं है। मुझे लगता है कि इसके खून में गलती से चरित्र का इंजेक्शन लग गया होगा डॉक्टरों से भी भूल हो जाती है।

अब आप ही बताइए, आज के ज़माने में ईमानदारी भी कोई साधारण बात है क्या? वह भी अगर राजनीति में हो तो समझिए करेला ऊपर से नीम चढ़ा, और उस पर भी कुनैन कोटेड। राजनीति में ईमानदार आदमी वैसे ही दिखता है जैसे मिठाई की दुकान में नीम का पेड़,या शराबखाने में तुलसी का पौधा। लोग उसे देखकर डरते हैं।

एक नेता ने धीरे से कहा – भाई, यह आदमी खतरनाक है। किसी ने पूछा क्यों नेता जी बोले न रिश्वत लेता है,न कमीशन समझता है,न जुगाड़ की भाषा बोलता है। ऐसे आदमी से लोकतंत्र को बड़ा खतरा है। अफसरों की भी हालत खराब है।

एक अफसर ने फाइल बंद करते हुए कहा यह आदमी हमारे विभाग में फिट नहीं बैठता। इसे कहीं संग्रहालय में रख देना चाहिए। नई पीढ़ी को दिखाया जाएगा देखो बच्चों, यह एक विलुप्त प्रजाति है, ईमानदार आदमी। किसी अनुभवी नेता ने उसे समझाया देखो भाई, राजनीति एक संतुलित आहार की तरह है। इसमें थोड़ा सिद्धांत, थोड़ा समझौता, थोड़ा लाभ, थोड़ा लोकहित, सब मिलाकर चलता है। तुमने तो पूरी थाली में सिर्फ ईमानदारी ही परोस दी है। इससे अपच हो जाएगी। एक और बुजुर्ग नेता ने दार्शनिक अंदाज़ में कहा बेटा, इतनी ईमानदारी सेहत के लिए ठीक नहीं होती। आदमी थोड़ा बहुत बेईमान भी होना चाहिए। यह जीवन का विटामिन-बी है यानी 'बी' फॉर बेईमानी। लेकिन वह आदमी अब भी मुस्कुरा रहा है जैसे उसे इस पूरे तमाशे पर तरस आ रहा हो। वह शायद सोच रहा है अजीब समय आ गया है।

-संजीव ठाकुर

सरहदों के बीच, चारों ओर मिसाइलों की गूँज थी

चारों ओर मिसाइलों की गूँज थी। बारूद की तीखी गंध से हवा भारी हो चुकी थी। कहीं से चीखें सुनाई दे रही थीं, तो कहीं मशीनगनों की दनदनाहट। आलीशान इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह रही थीं। मार्च 2026 की वह सुबह किसी डरावने सपने जैसी थी, जिसने पूरी दुनिया को सहमा दिया था। कहते हैं, युद्ध केवल तब नहीं होता जब गोलियाँ चलती हैं। उसका असर पहले भी महसूस होता है और बाद में भी। युद्ध में सिर्फ सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि वे भी हार जाते हैं जिन्हें अंत तक समझ ही नहीं आता कि यह सब क्यों हो रहा है। सच तो यह है कि युद्ध अपने पीछे केवल दर्द, डर और टूटे हुए सपने छोड़ जाता है।

टीवी चैनलों पर एक ही खबर बार-बार दोहराई जा रही थी- अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच लंबे समय से चला आ रहा तनाव अब भयानक युद्ध का रूप ले चुका है। खाड़ी क्षेत्र के शांत माने जाने वाले देशों में भी अचानक डर और अनिश्चितता का माहौल बन गया था। कुवैत, दुबई, बहरीन और मस्कट जैसे देशों में रोज़ी-रोटी की तलाश में आए लाखों भारतीयों की तरह हजारों राजस्थानी परिवार भी चिंता में डूब गए थे। राजस्थान के नागौर जिले के एक छोटे से गाँव में रहने वाला 21 वर्षीय आरिश भी इसी डर के बीच घिरा हुआ था।

आरिश, ओमान की राजधानी मस्कट के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष का छात्र था। वह सिर्फ एक छात्र नहीं था, बल्कि अपने परिवार की उम्मीदों का सहारा भी था। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ वह शाम को एक छोटे से कैफे में वेटर और क्लीनर का काम भी करता था। उसके पिता यूसुफ खान दुबई की तपती धूप में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में मजदूरी करते थे। उनका सपना था कि उनका बेटा पढ़-लिखकर इंजीनियर बने, ताकि उसे मजदूरी न करनी पड़े। गाँव में माँ सायरा बेगम और छोटी बहन आलिया हर दिन उसी उम्मीद में जीती थीं कि एक दिन आरिश पढ़ाई पूरी कर घर लौटेगा और उनका कच्चा घर पक्का बनवाएगा। लेकिन मार्च की उस मनहूस सुबह ने सब कुछ बदल दिया।

कैफे के काउंटर पर लगे टीवी पर जब आरिश ने आसमान से बरसते आग के गोले देखे, तो उसके हाथ से चाय का कप छूटकर जमीन पर गिर गया। कांच के टुकड़े बिखर गए। उसे लगा जैसे उसके सपने भी उन्हीं टुकड़ों की तरह टूट गए हों। सोशल मीडिया पर तरह-तरह की खबरें फैल रही थीं। कोई कह रहा था कि एयरपोर्ट के पास एक मिसाइल गिरी है। कहीं यह चर्चा थी कि समुद्री रास्ते बंद कर दिए गए हैं। मस्कट में बैठे आरिश के लिए ये खबरें केवल समाचार नहीं थीं, बल्कि उसके भविष्य पर मंडराता हुआ डर थीं। उसने घबराते हुए अपने पिता को दुबई फोन लगाया। कई बार नेटवर्क बिजी आया। आखिरकार कॉल लग गई। अब्बूज वहाँ सब ठीक है ना? लोग कह रहे हैं कि दुबई पर भी खतरा है। आरिश की आवाज काँप रही थी।

फोन के उस पार कुछ पल खामोशी रही। फिर यूसुफ खान की थकी हुई आवाज आई- बेटा, यहाँ बहुत अफरा-तफरी है। कंपनी ने काम बंद कर दिया है और हमें कैंप में रहने को कहा है। तुम बस अपनी हिफाजत करना।

उधर नागौर के उस छोटे से घर में भी बेचैनी छाई हुई थी। सायरा बेगम सुबह उठते ही मोबाइल पर खबरें देखने लगी थीं। नमाज के बाद वह घंटों दुआ करतीं कि उनके बेटे और पति सुरक्षित रहें। एक दिन उन्होंने मोबाइल में रेडियो चलाया। खबर आ रही थी- खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। आसमान में मंडराते खतरे और सायरनों की आवाजों के बीच आम लोग डर और अनिश्चितता में जी रहे हैं। हजारों प्रवासी अपने घर लौटने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। यह सुनकर सायरा बेगम की आँखें भर आईं। उस शाम गाँव के चबूतरे पर बैठी वह अपनी पड़ोसन से बोलीं- एक बेटा मस्कट में फंसा है और उसके अब्बू दुबई में। अल्लाह जाने कैसी जंग है यह, जो सरहदों पर होकर भी हमारे घरों के चूल्हे बुझा रही है। पास ही खड़ी छोटी आलिया अपनी माँ का दुपट्टा पकड़कर मासूमियत से पूछने लगी- अम्मी, ये जंग क्या होती है अम्मीजान ? जंग बुरी होती है क्या ? लोग आपस में लड़ते क्यों हैं? क्या भाईजान अब खिलौने लेकर नहीं आएंगे? क्या वो जंग में खो जाएंगे? आलिया ने प्रश्नों की जैसे झड़ी लगा दी थी। सायरा बेगम के पास आलिया के मासूम प्रश्नों का कोई जवाब नहीं था। उन्होंने बस उसे सीने से लगा लिया।

उधर मस्कट के कॉलेज हॉस्टल का माहौल भी बदल चुका था। जो गलियारे कभी हँसी-मजाक से भरे रहते थे, वहाँ अब जल्द-से-जल्द घर लौटने की बेचैनी थी। आरिश ने देखा कि अमीर देशों के छात्र चार्टर्ड विमानों से वापस बुलाए जा रहे थे। लेकिन उसके जैसे कई छात्र पैसे और साधनों की कमी के कारण वहीं फंसे हुए थे। तभी उसका दोस्त समीर घबराकर कमरे में आया। आरिश, एयरपोर्ट पर हजारों लोगों की भीड़ है। अगर अभी नहीं निकले, तो शायद बाद में मौका ही न मिले। आरिश खिड़की से बाहर समुद्र की ओर देखने लगा। कुछ देर बाद बोला- कैसे जाऊँ समीर? इस सेमेस्टर की फीस भर दी है। जेब में टिकट तक के पैसे भी नहीं हैं। और अब्बू दुबई में अकेले हैंज मैं यहाँ से चला गया तो उन्हें और चिंता होगी। कुछ पलों के लिए दोनों के बीच एक भारी सन्नाटा छा गया।

उस रात बिजली चली गई। अँधेरे में आरिश ने अपने पिता को वीडियो कॉल किया। स्क्रीन पर उनका चेहरा साफ नहीं दिख रहा था, लेकिन आँखों की चिंता साफ झलक रही थी।यूसुफ खान बोले- बेटा, यहाँ कैंप के पास कल धमाका हुआ था। मुझे डर लगता हैज पता नहीं हम फिर मिल पाएँगे या नहीं। तुम पढ़ाई की चिंता छोड़ो और किसी तरह घर पहुँच जाओ। आरिश ने खुद को संभालते हुए कहा-अब्बू, हिम्मत रखिए। अल्लाह की दुआओं से सब ठीक होगा। लेकिन वह भी जानता था कि यह दिलासा ही था, हकीकत नहीं।

उस रात वह हॉस्टल की छत पर जाकर खड़ा हो गया। दूर आसमान में तारे चमक रहे थे। उसे अचानक अपने गाँव की याद आने लगी-मिट्टी की खुशबू, माँ के हाथ की रोटियाँ और बहन की चुलबुली-सी हँसी। तभी उसे एहसास हुआ कि युद्ध की सबसे बड़ी त्रासदी मौत नहीं होती, बल्कि अपनों से दूर होने का वह दर्द होता है जो इंसान को भीतर से तोड़ देता है। उस दिन उसने अपनी डायरी में लिखा-युद्ध नक्शों पर सरहदें बदल देता है, लेकिन इंसानों के दिलों पर गहरे घाव छोड़ जाता है।

इस कहानी का अंत किसी जीत या हार से नहीं हुआ।आरिश आज भी मस्कट की उस छत पर खड़ा आसमान देखता है। दुबई के एक कैंप में यूसुफ खान भी उसी चाँद को देखते होंगे। और शायद नागौर के उस छोटे से घर में सायरा बेगम भी उसी चाँद को देखकर अपने बेटे और पति की सलामती की दुआ कर रही होंगी। यह केवल एक परिवार की कहानी नहीं है। यह उन लाखों लोगों की कहानी है जिनकी जिंदगी के फैसले कहीं दूर सत्ता के गलियारों में लिए जाते हैं। युद्ध चाहे जहाँ भी हो, उसकी पीड़ा आखिरकार उन घरों तक पहुँच ही जाती है, जहाँ लोग रात भर चिराग जलाकर अपने प्रियजनों की सलामती की दुआ करते रहते हैं।

-सुनील कुमार महला

एआई के उपयोग से खरीदारी, रोजमर्रा का अनुभव बन रहा बेहतर

पिछले कुछ वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) महज एक चर्चित शब्द नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक से जुड़ी बातचीत का केंद्र बन गया है। हाल ही में आयोजित सीईएस (कंज्यूमर इलेक्ट्रानिक्स शो) 2026 यह दिखाता है कि हम कितनी दूर तक पहुंच चुके हैं। अब एआई टीवी और लैपटाप से लेकर घरेलू उपकरणों तक हर श्रेणी का अहम हिस्सा बन चुका है और हर नए संस्करण के साथ ऐसी क्षमताएं सामने ला रहा है, जो रोजमर्रा के अनुभव को वास्तव में बेहतर बनाती हैं।

भारत में यह बदलाव एक दिलचस्प रूप ले चुका है। खरीदारी के फैसले लेते समय भारतीय ग्राहक हमेशा से सोच-समझकर और गहन रिसर्च करने वाले रहे हैं। अब एआई उनका रिसर्च पार्टनर बनता जा रहा है, जो जटिलताओं को आसान करता है, सही विकल्प सामने लाता है और आत्मविश्वास के साथ फैसलों की पुष्टि करता है। आज कोई व्यक्ति जब टीवी खरीदने जाता है, तो वह तकनीकी स्पेसिफिकेशंस की भीड़ में नहीं उलझता और न ही थकाने वाली सेल्स पिच सुनता है। इसके बजाय, वह एक एप पर कुछ आसान सवालों के जवाब देता है- कमरा कितना बड़ा है, आप मुख्य रूप से क्या देखते हैं, जगह कितनी रोशनी वाली है। एआई इन जानकारियों को तुरंत प्रोसेस करता है और हजारों विकल्पों में से केवल वही माडल छांट देता है जो उनकी जरूरतों के अनुरूप हों।

एक वर्किंग प्रोफेशनल को ही ले लीजिए, जो अपना लैपटॉप अपग्रेड करना चाहता है। वह अपने उपयोग के बारे में बताता है- वीडियो एडिटिंग, क्लाइंट प्रेजेंटेशन, बार-बार यात्रा आदि। ऐसे में एआई स्पेसिफिकेशन का मिलान करने के साथ ही संदर्भ को भी समझता है। वह ऐसे लैपटॉप सुझाता है जो क्रिएटिव कार्यों के लिए अनुकूल हों, जिनकी बैटरी लाइफ बेहतरीन हो, वजन संतुलित हो और साथ ही वह संभावित समझौतों को भी साफ-साफ बताता है। इस प्रकार, विजुअल सर्च एक और बड़ी क्रांति है। किसी दोस्त के घर टीवी सेटअप देखा और पसंद आया? उसकी फोटो खींचिए। एआई उस मॉडल की पहचान करता है, मिलते-जुलते विकल्प दिखाता है, कीमतों की तुलना करता है और यह भी बताता है कि आम तौर पर लोग उसके साथ और क्या खरीदते हैं।

गुणवत्ता में निवेश = अब एक ज्यादा आत्मविश्वासी खरीदार सामने आ रहा है। अब ग्राहक केवल ब्रांड के नामों के भरोसे नहीं, बल्कि स्पेसिफिकेशंस की तुलना करके फैसले ले रहे हैं। गुणवत्ता में निवेश करने की इच्छा भारतीय उपभोक्ताओं में पिछले कुछ वर्षों से मौजूद रही है। आज इसके साथ सावधानी भी जुड़ गई है। केवल दिखावे के लिए फीचर्स और स्पेसिफिकेशन की भरमार अब काम नहीं करती। अनिश्चितता को कम करके एआई भारत के स्वभाव से ही सतर्क और मेहनती खरीदारों को प्रीमियम टेक्नोलाजी में ज्यादा भरोसे के साथ निवेश करने में मदद कर रहा है।

शायद सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब एआई ग्राहक फीडबैक को कैसे समझता और प्रस्तुत करता है। पहले जहां खरीदारों को सैकड़ों रिव्यू स्क्राल करने पड़ते थे, वहीं अब हजारों असली यूजर अनुभवों से निकली एक साफ और समेकित जानकारी उन्हें एक नजर में मिल जाती है। इसे हेडफोन जैसे आम प्रोडक्ट के उदाहरण से समझा जा सकता है। कई रिव्यू में ग्राहक अक्सर साउंड क्वालिटी, बिल्ड क्वालिटी और नाइज कैंसिलेशन की तारीफ करते नजर आते हैं, तो बैटरी लाइफ का भी उसमें जिक्र होता है। वहीं 'वैल्यू फार मनी' को लेकर राय अलग-अलग होती है, जो अलग-अलग कीमतों पर ग्राहकों की अलग अपेक्षाओं को दर्शाती है। इस तरह पेश किए जाने पर रिव्यू शोर नहीं लगते। वे एक मार्गदर्शन बन जाते हैं, जो ग्राहकों को फैसला लेने से पहले प्रोडक्ट की खूबियां, सीमाएं और असल जिंदगी में उसका प्रदर्शन समझने में मदद करते हैं।

आगे की राह = आने वाले समय में एआई केवल ग्राहकों को प्रोडक्ट खोजने में ही मदद नहीं करेगा, बल्कि उनकी जरूरतों का पहले से ज्यादा सटीक अंदाजा भी लगाएगा। यह विकल्पों के बीच समझौते को स्पष्ट करेगा और असली अनुभवों के आधार पर फैसलों की पुष्टि करेगा। दावों के पीछे की सच्चाई समझना, सही तुलना करना और असली मूल्य पहचानना जैसी जो समझ अनुभवी खरीदारों को वर्षों में विकसित होती थी, अब वह स्मार्टफोन रखने वाले हर व्यक्ति के लिए उपलब्ध हो रही है। भारतीय उपभोक्ता अब यह नहीं पूछ रहे हैं कि एआई पर भरोसा किया जाए या नहीं, वे इसे पहले ही अपना चुके हैं।

जैसे-जैसे एआई खोजने, तुलना करने और फैसला लेने के तरीकों को नया रूप दे रहा है, वैसे-वैसे वह सूचना संबंधी बढ़त, जो कभी कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित थी, अब खत्म होती जा रही है। भविष्य ऐसा नहीं है जहां एआई हमारे लिए फैसले करे, बल्कि ऐसा है जहां एआई सोच-समझकर फैसला लेने वाले इंसानों को अपने लिए बेहतर चुनाव करने की ताकत देता है। जिस बाजार में हमेशा से जानकारी के आधार पर निर्णय लेने को महत्व दिया गया है, वहां बेहतर खरीदारी का मतलब है सही इरादे के साथ ज्यादा समझदार टूल्स का इस्तेमाल।

-धनंजय राजौरा

देवलाबिहार में फूड पॉयजनिंग से हड़कंप, स्वास्थ्य विभाग की त्वरित कार्रवाई से टला बड़ा हादसा, सभी मरीजों की हालत स्थिर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम देवलाबिहार में बीते दिनों फूड पॉयजनिंग (विषाक्त भोजन) का मामला सामने आने से गांव में हड़कंप मच गया। इस घटना में कई ग्रामीणों की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। हालांकि, सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने जबरदस्त तत्परता दिखाई, जिसके चलते एक बड़ा हादसा टल गया। समय रहते सभी मरीजों को उपचार मिल गया है और वर्तमान में सभी की हालत पूरी तरह से स्थिर और खतरे से बाहर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम देवलाबिहार में फूड पॉयजनिंग की सूचना जैसे ही जिला मुख्यालय पहुंची, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय सालविया ने त्वरित संज्ञान लिया। अधिकारियों के मार्गदर्शन और निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुन्दरगढ़ का दल तुरंत हरकत में आया। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. गोपाल मकवाना, मेडिकल ऑफिसर डॉ. विशाल मंडलोई और डॉ. रवीन्द्र कुशवाह के नेतृत्व में सीएचसी सुन्दरगढ़ की कॉम्बेट टीम बिना कोई समय गंवाए जरूरी दवाओं और उपकरणों के साथ सीधे देवलाबिहार गांव पहुंची। गांव में पहुंचकर मेडिकल टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला और बीमार हुए सभी लोगों का तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण कर मौके पर ही इलाज शुरू कर दिया। त्वरित और सही उपचार मिलने से मरीजों की बिगड़ती हालत पर काबू पा लिया गया। इलाज के साथ-साथ डॉक्टरों की टीम ने गांव वालों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूक भी किया और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए खान-पान में विशेष सावधानी बरतने, साफ-सफाई रखने तथा बासी या दूषित भोजन से दूर रहने की सख्त सलाह दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस कृष्णाजी राव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा जल गंगा संवर्धन जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्राचार्य डॉ एसपीएस राणा सर के मार्गदर्शन में रैली निकाली गई। महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर से नाहर दरवाजा , नाहर दरवाजा से भोपाल चौराहा एवं भोपाल चौराहा से पुनः महाविद्यालय परिसर तक जल संरक्षण से संबंधित नारे के रैली निकाली गई। इस रैली में जल संरक्षण, जल को बचाने के विभिन्न उत्प्रेरक नारों के युवाओं के रैली में सहभागिता की इस रैली में रासेयो कार्यक्रम अधिकारी के साथ विशेष सहयोग डॉ बीएस जाधव, डॉ रजत राठौर, डॉ अरुण कुशवंशी, डॉ सीमा सोनी, इको क्लब एवं युवा पर्यटन क्लब प्रभारी जितेंद्र सिंह राजपूत का रहा तथा वॉलेंटियर्स खुशबू लोधी, कुमकुम राठौर , वैदिक शर्मा, करण कुमावत, शुभम कुमावत , आरती आदि के साथ 40 स्वयंसेवको की भागीदारी रही ।

शादियों में फिजूलखर्ची से बचें, बचे धन से बच्चों का भविष्य संवारें- मुख्यमंत्री

शुजालपुर में सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन में 200 जोड़ों का हुआ विवाह, निकाह, सीएम ने वर्चुअली दिया आशीर्वाद

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों से शादी-ब्याह में होने वाली फिजूलखर्ची से बचने और सादगी से विवाह करने की अपील की है। शनिवार को शाजापुर जिले के शुजालपुर में आयोजित सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विवाह सामान्य समारोह या सामूहिक विवाह में करें और इससे बचे हुए धन का उपयोग बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए करें। इस भव्य आयोजन में 200 जोड़ों का विवाह और निकाह संपन्न हुआ।

बेटियों के पाणिग्रहण संस्कार से बड़ा कोई पुण्य नहीं- मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति के मूल में सामाजिकता और सद्भाव है। सामूहिक विवाह सम्मेलन इस सद्भाव को मजबूत करने का एक कारगर माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने अपने पुत्र का विवाह भी सामूहिक सम्मेलन में ही कराया था। सीएम ने कहा, पहले बेटी के जन्म के साथ ही परिवार को शादी की चिंता सताती थी, लेकिन अब मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार बेटियों का कन्यादान और विदाई कर रही है। जन्म से लेकर पढ़ाई, नौकरी, मातृत्व और विवाह तक हमारी सरकार हर कदम पर बहनों-बेटियों के साथ खड़ी है।

200 जोड़ों ने शुरू किया नया जीवन, 49-49 हजार की मिली सहायता- सम्मेलन में कुल 200 बेटियों का घर बसा। इनमें 162 बेटियों का विवाह हिंदू रीति-रिवाज से संपन्न हुआ, जबकि 38 बेटियों का निकाह कराया गया। मुख्यमंत्री ने सभी नवविवाहित जोड़ों को मंगलाशीष देते हुए बताया कि सरकार की ओर से प्रत्येक जोड़े को गृहस्थी बसाने के लिए 49-49 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

फिजूलखर्ची समाज के हित में नहीं, मंत्री इंदर सिंह परमार- कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में विवाह आयोजनों में दिखावा और फिजूलखर्ची बढ़ रही है, जो समाज के हित में नहीं है। इसलिए सभी को अपने पुत्र-पुत्रियों का विवाह सामूहिक विवाह आयोजनों में कराने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कामना की कि सभी नवदंपतियों का जीवन प्रेम, विश्वास और सम्मान से परिपूर्ण रहे। सम्मेलन को जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया और शुजालपुर नगर पालिका अध्यक्ष बबीता परमार ने भी संबोधित किया। मंचस्थ अतिथियों ने नवविवाहित दंपतियों को आशीर्वाद और उपहार भेंट किए। सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन में कलेक्टर ऋजु बाफना, जनपद पंचायत शुजालपुर अध्यक्ष सीताबाई रामचन्दर पाटोदिया, उपाध्यक्ष मंजूबाई गोविन्दसिंह मेवाड़ा, विजय सिंह बैस, कृपाल सिंह मेवाड़ा, अशोक नायक, नरेन्द्र सिंह यादव, देवेन्द्र तिवारी, अरविंद परमार, अशोक मालवीय, जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में वर-वधु के परिजन उपस्थित थे।

रतलाम जिले में 721 बालिकाओं को एच पी वी का वैक्सीनेशन किया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे बड़ा कैंसर है , महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर को रोकने के लिए रतलाम जिले में निशुल्क एचपीवी वैक्सीनेशन 28 फरवरी से प्रारंभ होकर 90 दिन तक किया जाएगा । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संध्या बेलसरे ने बताया कि जिले में अब तक 721 बालिकाओं का वैक्सीनेशन किया गया है। सिविल अस्पताल आलोट में 118 , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ताल में 79 , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाजना में 63 , सिविल अस्पताल जावरा में 154, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिपलोदा में 153, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नामली में 28, बाल चिकित्सालय रतलाम में 69, मेडिकल कॉलेज रतलाम में 10, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैलाना में 47 बालिकाओं का वैक्सीनेशन किया गया है। वैक्सीनेशन के लिए ऐसी सभी बालिका जिन्होंने अपना 14वां जन्मदिन मना लिया है एवं 15 जन्मदिन नहीं मनाया है , निशुल्क वैक्सीनेशन करवा सकती है । वैक्सीनेशन कराने के लिए यू विन पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराया जा सकता है या सीधे केंद्र पर आकर भी वैक्सीनेशन कराया जा सकता है। वैक्सीनेशन के लिए आयु संबंधी कोई भी प्रमाण पत्र अथवा स्वयं के घोषणा पत्र के आधार पर भी सहजता से वैक्सीनेशन कराया जा सकता है। सीएमएचओ ने शंका समाधान करते हुए स्पष्ट किया कि एच पी वी वैक्सीनेशन पूरी तरह सुरक्षित है। यदि किसी के घर में कैंसर संबंधी कोई मरीज नहीं है , तब भी एच पी वी का वैक्सीनेशन कराया जाना आवश्यक है , ताकि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास हो सके।

अधजले पटाखों से बारूद निकालते समय भड़की आग, 7 साल के बच्चे का चेहरा झुलसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शादी वाले घरों के आसपास पड़े अधजले और बचे हुए पटाखे मासूम बच्चों के लिए कितने खतरनाक हो सकते हैं, इसका एक दर्दनाक मामला जिले के ग्राम कडूला में सामने आया है। यहां शुक्रवार रात एक 7 साल का बच्चा जब खेल-खेल में जले हुए पटाखों से बारूद निकालकर उसमें आग लगाने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक बारूद ने जोर से आग पकड़ ली और इस हादसे में बच्चे का चेहरा बुरी तरह झुलस गया। घायल बालक को गंभीर हालत में शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कडूला गांव निवासी 7 वर्षीय बालक लोकेश पिता लालसिंह भिलाला शुक्रवार रात करीब 9 बजे घर के बाहर खेल रहा था। गांव में ही एक शादी समारोह था, जिसके बाद वहां कुछ जले और अधजले पटाखे पड़े हुए थे। लोकेश ने नासमझी में इन पटाखों को इकट्ठा कर लिया और उनसे बारूद निकालने लगा। बारूद निकालकर जैसे ही उसने आग लगाने का प्रयास किया, तो बारूद ने अचानक तेज आग पकड़ ली, जिसकी सीधी चपेट में लोकेश का चेहरा आ गया।

मोहन बड़ोदिया से शाजापुर किया रेफर- बच्चे के झुलसने और चीखने की आवाज सुनकर परिजन घबरा गए। वे तुरंत उसे लेकर मोहन बड़ोदिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन चेहरे के ज्यादा झुलसने और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे रात में ही शाजापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। शाजापुर में बच्चे का उपचार किया गया।

नीमच जिला अस्पताल में डॉ. लाड धाकड़ की टीम का कमाल, जटिल ऑपरेशन से बचाई झाबुआ की महिला की जान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों ने एक बार फिर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाते हुए एक महिला को मौत के मुँह से बाहर निकाल लिया है। झाबुआ जिले के सारंगी गांव की रहने वाली गेंदाबाई पति जितेंद्र गामड़, जो राजस्थान के कनेरा में मजदूरी करने आई थीं, अचानक रप्चरड इक्टोपिक प्रेगनेंसी जैसी जानलेवा स्थिति का शिकार हो गईं। पेट में असहनीय दर्द के बाद उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया, जहाँ सर्जन डॉ. लाड धाकड़ और उनकी टीम की सूझबूझ ने उन्हें नया जीवनदान दिया। महिला की स्थिति इतनी नाजुक थी कि भ्रूण गर्भाशय के बजाय नली में ही फट गया था, जिससे उनके पूरे पेट में खून फैल गया और शरीर में रक्त का स्तर गिरकर महज 2 पॉइंट रह गया था। साथ ही महिला का बीपी गिरकर 72/35 पर पहुंच गया था, जो किसी भी समय जानलेवा साबित हो सकता था।

सर्जन डॉ. लाड धाकड़ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बेहद साहसी फैसला लिया, क्योंकि मरीज की हालत ऐसी नहीं थी कि उन्हें हायर सेंटर रेफर किया जा सके; रास्ते में ही जान जाने का बड़ा खतरा था। डॉ. लाड धाकड़ के नेतृत्व में गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. रुखसिन खान, डॉ. दिनेश, डॉ. कुणाल और नर्सिंग टीम ने जोखिम उठाते हुए तुरंत ऑपरेशन शुरू किया। करीब दो घंटे चले इस जटिल ऑपरेशन के दौरान और उसके बाद महिला को कुल 10 बोतलें चढ़ाई गईं, जिनमें 4 बोतल खून और 6 बोतल प्लाज्मा शामिल था। ऑपरेशन के बाद महिला को वेंटिलेटर और आईसीयू में विशेष निगरानी में रखा गया। अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और उसे मैटरनिटी वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है, जहाँ से शनिवार शाम उनकी छुट्टी कर दी जाएगी। गेंदाबाई और उनके परिजनों ने डॉ. लाड धाकड़ एवं पूरी टीम का आभार जताते हुए कहा कि डॉक्टरों की त्वरित निर्णय क्षमता ने ही उन्हें मौत के मुँह से सुरक्षित बाहर निकाला है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय कर्तव्य एवं सामाजिक दायित्व' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस कृष्णा जी राव पंवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास द्वारा आईक्यूऐसी के तत्वावधान में आज 14 मार्च को जल गंगा संवर्धन जागरूकता अभियान 2026 के अंतर्गत ÷जल गंगा संवर्धन अभियान राष्ट्रीय कर्तव्य एवं सामाजिक दायित्व÷ विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज को जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरणीय महत्व के प्रति जागरूक करना था,कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई।

उसके पश्चात डॉ. लीना दुबे ने सभी अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी, प्राचार्य डॉ. एस. पी. एस. राणा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में देवास जिले के जल संरक्षण अभियान पर उपयोगी जानकारियाँ साझा कीं तथा विद्यार्थियों से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने हेतु प्रेरित किया।

भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया,निर्णायक के रूप में डॉ. ममता लावरे, डॉ. आराधना डिकुना तथा प्रो. संदीप नागर उपस्थित रहे।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्तुति शर्मा बी एस सी द्वितीय वर्ष,, द्वितीय स्थान रीतिका अग्रवाल बी एस सी द्वितीयऔर तृतीय स्थान वैष्णवी शर्मा बी एस सी द्वितीय ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ. शशि सोलंकी, डॉ. निकिता कर्मा, श्रीमती आशा झाला आदि भी उपस्थित रहे।

साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत युवा पर्यटन, इको क्लब महाविद्यालय के विद्यार्थियों को राजपुरा ग्राम स्थित प्राकृतिक जल भरण क्षैत्र(नमभूमि)के गहरीकरण कार्य का अवलोकन करवाया गया।

नेशनल हाईवे-52 पर रफ्तार का कहर, मिर्ची से लदे ऑटो को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर, तीन घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार सुबह नेशनल हाईवे-52 पर एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। यहां एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रहे मिर्ची से भरे ऑटो रिक्शा को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि ऑटो सड़क पर कई बार पलट गया, जिससे उसमें सवार तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना शाजापुर जिला मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर नैनावद घाटी के समीप शनिवार सुबह लगभग 8 बजे घटित हुई। शाजापुर के ही रहने वाले मोहम्मद सहद, अखिल मंसूरी और इरशाद अपने तीन पहिया ऑटो रिक्शा में मिर्च भरकर उज्जैन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान, नैनावद घाटी उतरते समय पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनके ऑटो को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर तीन बार पलटा और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ऑटो में भरी मिर्च भी सड़क पर बिखर गई। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहां से गुजर रहे राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर नैनावद पुलिस चौकी का वाहन भी मौके पर पहुंच गया, जिसकी मदद से सभी घायलों को तुरंत शाजापुर जिला अस्पताल लाया गया।

न्यायपालिका की अनूठी पहल, न्यायालय परिसर में हुआ 212 स्वच्छता वीरों का सम्मान, बिछड़े पति पत्नी का हुआ सुलह

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर स्वच्छ भारत न्यायपूर्ण भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता वीरों का सम्मान समारोह जिला न्यायालय में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत पर शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के 212 पंजीकृत सफाईकर्मियों को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष आनंद कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विशेष न्यायाधीश अंजनी नंदन जोशी, जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष करणसिंह गुर्जर मौजूद रहे। अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता कर्मियों का सम्मान करना समाज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रतीक है, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है।

1.40 लाख रुपए की लागत से बांटे गए वस्त्र- सफाईकर्मियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से न्यायाधीशों की ओर से लगभग 1 लाख 40 हजार रुपये की राशि से वस्त्र वितरित किए गए। मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर 137 पुरुष सफाईकर्मियों को लोअर-टी-शर्ट और 75 महिला सफाईकर्मियों को साड़ी सेट प्रदान किए गए।

कोविड काल की सेवाओं को किया गया याद- प्रधान जिला न्यायाधीश आनंद कुमार तिवारी ने सभी स्वच्छता कर्मियों का आभार जताते हुए कहा कि उनके निरंतर परिश्रम के कारण ही शहर स्वच्छ और व्यवस्थित रहता है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि उस दौर में भी सफाईकर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना निष्ठा से काम किया। उन्होंने स्वच्छता वीरों को समाज की सुदृढ़ नींव बताया।

लोक अदालत में फिर एक हुए पति-पत्नी- नेशनल लोक अदालत के दौरान खंडपीठ क्रमांक-01 में एक प्रेरणादायी मामला भी सामने आया। पीठासीन अधिकारी आनंद कुमार तिवारी के समक्ष अलग-अलग रह रहे एक युवा दंपती का घरेलू विवाद आया था। न्यायालय की समझाइश के बाद दोनों के बीच समझौता हो गया और वे पुनः साथ रहने को तैयार हो गए। समझौते के बाद पति-पत्नी ने एक-दूसरे को फूलमाला पहनाकर खुशी व्यक्त की। इस मौके पर न्यायाधीशों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मालवा के अफीम किसानों की चिंता दूर, सीपीएस डोड़ों की कटाई को हरी झंडी, सांसद ने किसानों की ईमानदारी पर जताया भरोसा

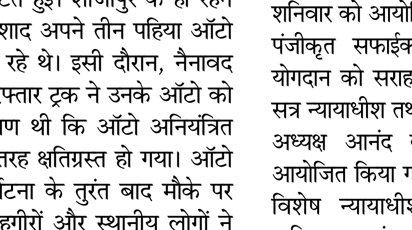

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा अंचल के अफीम उत्पादक किसानों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। नीमच-मंदसौर संसदीय क्षेत्र के भाजपा सांसद सुधीर गुप्ता ने अफीम किसानों, विशेषकर 'सीपीएस (ष्टक्क) पद्धति' (बिना चीरा लगाए अफीम की खेती) से जुड़े किसानों के लिए फसल कटाई को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। होली के महापर्व पर क्षेत्र के अन्नदाताओं को शुभकामनाएं देते हुए सांसद ने ऐलान किया है कि जिन किसानों के खेतों में अफीम के डोड़े सूख चुके हैं, वे अब बिना किसी विभागीय इंतजार के उन्हें निकाल सकते हैं और उनमें से खसखस (पोस्तादाना) प्राप्त कर सकते हैं। सांसद सुधीर गुप्ता ने अपने जारी वीडियो संदेश में स्पष्ट किया कि किसान इस बात के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र हैं कि वे डोड़ों से खसखस निकालने का काम सीधे अपने खेत पर ही करें या फिर डोड़ों को घर ले जाकर यह प्रक्रिया पूरी करें। इस घोषणा से क्षेत्र के उन हजारों अफीम किसानों की बड़ी चिंता दूर हो गई है, जो फसल सूखने के बाद कटाई और खसखस निकालने को लेकर नारकोटिक्स विभाग के स्पष्ट निर्देशों की बाट जोह रहे थे। अब किसान बेझिझक अपने खेतों से डोड़े निकालने का काम शुरू कर सकते हैं।

नारकोटिक्स विभाग लेगा डोड़े - इस बड़ी छूट के साथ ही किसानों को एक महत्वपूर्ण हिदायत भी दी गई है। खसखस का दाना निकालने के बाद किसानों को बचे हुए खाली सूखे डोड़ों को पूरी तरह से सुरक्षित अपने पास रखना होगा। सांसद ने आगामी प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए बताया कि आने वाले समय में जब सरकार और नारकोटिक्स अमला निर्धारित कैंप लगाकर डोड़ों की मांग करेगा और इसके लिए निश्चित तारीखें तय करेगा, तब किसानों को उन तौल केंद्रों पर जाकर अपना सुरक्षित रखा डोड़ा तुलवाकर विभाग को सौंपना होगा।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में वैज्ञानिकों और विद्वानों ने साझा किए शोध अनुभव

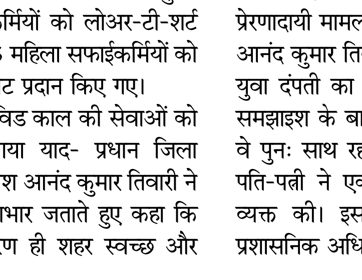

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा में नवाचार और शोध संस्कृति को प्रभावी बनाने हेतु प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रतलाम में ÷अनुसंधान पद्धति÷ उच्च शिक्षा में नवाचार, चुनौतियां एवं भविष्य की संभावनाएँ÷ विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरविषयक राष्टीय संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्वानों, प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो.राजीव आर. ठाकुर ने अपने प्रेरक उद्बोधन में विद्यार्थियों को शोध और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर रतलाम में जन्मे वरिष्ठ अंतरिक्ष वैज्ञानिक प्रो. प्रहलाद चंद्र अग्रवाल ने मैसेज के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि उन्होंने वर्ष 1961 में इसी महाविद्यालय में बीएससी तक अध्ययन किया बाद में उनका चयन भाभा आण्विक अनुसंधान केंद्र मुंबई में हुआ। उन्होंने टीआईएफआर में कॉस्मिक रे एवं एक्स-रे खगोल विज्ञान पर शोध कार्य किया और मुंबई विश्वविद्यालय से पीएचडी प्राप्त की।

शब्द अजर-अमर हैं, भक्ति और धर्म में बड़ा बल - राजवर्धन सिंह दत्तीगांव

नागदा (बदनावर) में युवा राजपूत संगठन का भव्य होली मिलन समारोह संपन्न; महिपाल सिंह चावड़ा बने नवीन अध्यक्ष

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वाणी में बड़ी शक्ति होती है, हमारे मुख से निकला हर शब्द अजर-अमर और सदैव गतिमान रहता है। क्षत्रिय कुल में जन्म लेना पूर्व जन्म के पुण्यों का फल है। उक्त ओजस्वी विचार पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने व्यक्त किए। वे महाराणा प्रताप राजपूत समाज धर्मशाला, रंगारा खेड़ी (नागदा) में युवा राजपूत संगठन बदनावर इकाई द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

दत्तीगांव ने आगे कहा कि ईश्वर, तप और अध्यात्म में अपार शक्ति है। जिस प्रकार प्रहलाद ने अपनी भक्ति से अन्याय पर विजय पाई, उसी प्रकार होलिका दहन भी अहंकार और अन्याय पर न्याय की जीत का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से समाज में समरसता का वातावरण निर्मित होता है।

महापुरुषों का नमन और भव्य स्वागत- कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा अश्वरोही महाराणा प्रताप की प्रतिमा एवं भूमि दानदाता स्वर्गीय गणपत सिंह परिहार की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। तत्पश्चात महाराणा प्रताप के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। स्वागत भाषण युवा राजपूत संगठन के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह राठौर ने दिया।

समाज के वरिष्ठ जनों ने साझा किए विचार- कमल सिंह पटेल (अध्यक्ष, सामूहिक विवाह समिति) - क्षत्रिय वर्ग के मन में हमेशा दया, करुणा और परोपकार की भावना रहती है।

शरद सिंह सिसोदिया (समाजसेवी) - होली मिलन हमारी गौरवशाली परंपरा है, जिससे युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।

भेरू सिंह सोलंकी (अध्यक्ष, धर्मशाला समिति) - समाज की एकता पर बल दिया।

इसके साथ ही दशरथ सिंह पटेल, ईश्वर सिंह तंवर, बापू सिंह रेंजर, राजेंद्र सिंह पटेल, दिलीप सिंह सोलंकी और दिलीप सिंह चावड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

महिपाल सिंह चावड़ा चुने गए नवीन अध्यक्ष- संगठन के एक वर्षीय कार्यकाल की पूर्णता पर निवृत्तमान अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह राठौर ने नवीन नियुक्त का प्रस्ताव रखा। वरिष्ठों और युवाओं की आपसी मंत्रणा के बाद वरिष्ठ सदस्य शंभू सिंह चावड़ा ने महिपाल सिंह चावड़ा (पंचकवासा) के नाम की घोषणा की। उपस्थित समाजजनों ने पुष्पमाला पहनाकर नए अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया।

समारोह के अंत में सभी राजपूत सरदारों ने एक-दूसरे को गुलाल और सूखा रंग लगाकर होली की बधाई दी। कार्यक्रम का सफल संचालन गोवर्धन सिंह डोडिया (खिलेंड़ी) ने किया एवं आभार नवनियुक्त अध्यक्ष महिपाल सिंह चावड़ा ने माना। इस अवसर पर गोरे सिंह पलवाड़ा, घनश्याम सिंह डोडिया, भुवान सिंह सोलंकी, मनोहर सिंह पटेल, डॉ. कमल सिंह कामदार, डॉ. गोपाल सिंह, राकेश कामदार, हटे सिंह वरनासा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

बदनावर नेशनल लोक अदालत में न्याय की जीत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नई दिल्ली) एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (जबलपुर) के निर्देशानुसार, शनिवार को न्यायालय परिसर बदनावर में जिला न्यायाधीश श्री जी.सी. मिश्रा की अध्यक्षता में नेशनल लोक अदालत का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस विधिक अभियान के तहत आपसी समझौते और सुलह के माध्यम से वर्षों पुराने विवादों का निपटारा किया गया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ जिला न्यायाधीश जी.सी. मिश्रा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश श्रीमती नेहा प्रधान, सुश्री जसविता शुक्ला, श्रीमती सीमा धाकड़, एवं सुश्री पलक प्रजापति सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। अभिभाषक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र जाट ने स्वागत उद्बोधन दिया।

न्यायाधीश सुश्री जसविता शुक्ला ने लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, लोक अदालत वस्तुतः जनता की अदालत है। यह हमारी कानून प्रणाली की उस सोच का परिणाम है जो त्वरित न्याय और सामाजिक शांति को सर्वोपरि मानती है। इसका मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी नागरिक आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण न्याय से वंचित न रहे।

227 प्रकरणों में बनी सहमति- जिला न्यायाधीश जी.सी. मिश्रा ने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों को अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रोत्साहित किया। उनकी अपील का सकारात्मक असर देखने को मिला और लोक अदालत में कुल 227 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इन प्रकरणों के माध्यम से कुल 4,32,70,935/- रुपये की राशि के अवार्ड पारित किए गए।

इस अवसर पर एसडीएम श्रीमती प्रियंका मिमरोट, एसडीओपी श्री अरविंद सिंह तोमर, सहायक लोक अभियोजन अधिकारी नवीन बेतव, सीएमओ लालसिंह राठौर, बीएमओ डॉ. एस.एल. मुजाल्दे, डॉ. राहुल बारोड सहित विभिन्न बैंकों, वन विभाग और कश्यप स्वीटनर्स के विपिन जैन सहित कई विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, पैरा लीगल वॉलंटियर्स और पक्षकार उपस्थित थे। लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों के चेहरे पर खुशी देखी गई, क्योंकि उनके लंबे समय से लंबित मामले बिना किसी कटुता के सदैव के लिए समाप्त हो गए।

चुनाव सम्पन्न समाजजनो का करा आभार व्यक्त

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गत दिनों गुजराती बलाई समाज की जन्मेजय मार्ग स्थित युवराज धर्मशाला समिति के चुनाव संपन्न हुए सभी समाज जन एवं आशीर्वाद दाताओं का आभार व्यक्त करने के लिए बालाजी मंदिर डेलनपुर में साधारण सभा के साथ स्नेह भोज का भी आयोजन रखा गया कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि गुजराती बलाई समाज युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सोलंकी एवं उनकी टीम तथा विशेष अतिथि डेलनपुर मंदिर के प्रमुख श्री मधुसूदन दास जी श्री युवराज धर्मशाला के निर्वाचित अध्यक्ष देवीलाल डाबी, उपाध्यक्ष रामबक्ष डाबी, सचिव जितेंद्र राठौर, कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र सोलंकी पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल डाबी, चंपालाल रेंजर साहब, भरत निंबोला, वरिष्ठ जन बालाराम परमार, मोहनलाल परमार, रामेश्वर लेकोडा मंचासीन थे। बालाजी मंदिर के गुरुजी ने हनुमान चालीसा पाठ करके कार्यक्रम की शुरुआत की । कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने समाज कल्याण, एकजूटता समाज को आगे बढ़ा कर कुरीतियां समाप्त करके समाज को आगे बढ़ाने एवं युवराज धर्मशाला किस प्रकार विकास किया जाए उसके बारे अपने अपने विचार रखे। इस मौके पर ओमप्रकाश सोलंकी, बने सिंह, मदनलाल मकवाना लाइनमैन साहब, गोवर्धन लाल परमार, डाक्टर रामचंद्र परमार, सत्यनारायण मकवाना, राधेश्याम हरोड, ओमप्रकाश नागराज, ईश्वर लाल राठौर, रामू जी निंबोला, पप्पू चावड़ा, भेरुलाल सोलंकी युवा संघ के सोशल मीडिया प्रभारी सागर परमार सुभाष धानक एवं वरिष्ठ जन युवा समाज जन उपस्थित थे। संचालन जिसने इस कार्यक्रम का आधार रखा रणछोड़ गुजराती एवं भाखेड़ा के सरपंच मुकेश धानक ने किया। अंत में आभार रमेश राठौर ने व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री के गृह जिले में नहीं हो रहा कलेक्टर के आदेश का पालन

कलेक्टर के आदेश का पालन करवाने में नाकाम तहसीलदार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। मुख्यमंत्री के गृह जिले में बेलगाम होते जा रहे राजस्व के अधिकारी व कर्मचारियों को अपने वरिष्ठ अधिकारियों का कोई डर नहीं है। कलेक्टर के आदेश का पालन करवाने में भी अब यह लोग आनाकानी करने लगे हैं और लगभग साल भर बीत जाने के बाद भी आदेश का पालन अभी तक नहीं हुआ है और पीड़ित विधवा महिला सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा लगाकर परेशान हो रही है। आपको बता दे की बड़नगर में राजस्व विभाग के अधिकारी तहसीलदार से लगाकर अन्य जिम्मेदार भी अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश का पालन करवाने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

जिससे जिले के वरिष्ठ अधिकारी जिलाधीश के आदेशों की अवहेलना होकर उसकी धज्जियां उड़ रही है लेकिन राजस्व के बड़नगर तहसील के जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी बेपरवाह होकर जिलाधीश के आदेश की खुलेआम अव्हेलना कर रहे हैं आपको बता दे की तहसील के ग्राम सिलोदिया में विधवा महिला दुर्गाबाई बेवा कंवरलाल गुर्जर ने अपनी भूमि सर्वे नंबर 169 रकबा 0.09 हेक्टर पर अवैध अतिक्रमण कर कब्जा करने वाले अतिक्रमणकर्ताओं से अपनी भूमिका कब्जा वापस प्राप्त करने के लिए नायब तहसीलदार टप्पा खरसोद कला के न्यायालय में विधिवत तरीके से धारा 250 का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया। लेकिन नायब तहसीलदार टप्पा खरसोद कला द्वारा आवेदिका महिला दुर्गाबाई व अनावेदकगण के मध्य स्वत्व का विवाद मानते हुए दिनांक 28.02.2024 को आवेदिका का आवेदन निरस्त कर दिया।

जिसकी अपील आवेदिक का द्वारा अनु विभागीय अधिकारी बड़नगर के न्यायालय में की लेकिन अनु विभागीय अधिकारी बड़नगर ने दिनांक 30.8.2024 को अपील अवधि बाहर मानते हुए निरस्त की गई। जिसके विरुद्ध आवेदीका द्वारा कलेक्टर उज्जैन के समक्ष एक निगरानी प्रस्तुत की थी जिसमें सभी पक्षों को सुनने के बाद कलेक्टर द्वारा दिनांक 1.4.2025 को आदेश पारित करते हुए स्पष्ट रूप से कहा है कि अधीनस्थ न्यायालय अनु विभागीय अधिकारी बड़नगर के प्रकरण क्रमांक 0074/ अपील/2024-25 आदेश दिनांक 30.08.2024 एवं नायब तहसीलदार टप्पा खरसोद कला के प्रकरण क्रमांक 0003/अ-70/2024-25 आदेश दिनांक 28.2.2024 विधि संगत नहीं होने से निरस्त किए जाते हैं तथा नायब तहसीलदार टप्पा खरसोद कला को निर्देशित किया जाता है की आवेदीका को उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम सिलोदिया तहसील बड़नगर स्थित भूमि सर्वे नंबर 169 रबकबा 0.09 हेक्टेयर पर से अनावेदकगण का कब्जा हटवा कर आवेदीका को विधिवत भूमि का कब्जा प्रदान किया जावे। कलेक्टर को आदेश पारित किया लगभग 1 वर्ष होने को आया है लेकिन उनके आदेश का पालन अभी तक नहीं हुआ है आवेदीका दुर्गाबाई को उसकी भूमिका कब्जा अभी तक नहीं मिला है वह अपनी भूमिका कब्जा प्राप्त करने के लिए तहसील कार्यालय,पटवारी एवं अन्य के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उसके बाद भी उन्हें उनकी भूमिका कब्जा नहीं मिल रहा है यहां सवाल यह उठता है कि जिले के वरिष्ठ अधिकारी जिलाधीश द्वारा उभय पक्षों को सुनने के पश्चात सभी दस्तावेजों का अवलोकन करने के पश्चात पारित किए गए आदेश का पालन भी बड़नगर तहसील के राजस्व अधिकारी कर्मचारी नहीं करवा पा रहे हैं इससे एक बात तो स्पष्ट है कि इन्हें अपने वरिष्ठ अधिकारियों का कोई खौफ नहीं है उन्हें उनके आदेशों की कोई परवाह नहीं है यहां सब अपने हिसाब से कार्य चल रहा है और जनता परेशान हो रही है अब देखना यह होगा कि जिलाधीश द्वारा करीब 1 वर्ष पहले आवेदी का दुर्गाबाई को विधिवत कब्जा प्रदान करने के लिए नायब तहसीलदार टप्पा खरसोद कला को निर्देशित किया गया था लेकिन नायब तहसीलदार टप्पा खरसोद कला के नायब तहसीलदार का स्थानांतरण होने के बाद अभी तक वहां कोई तहसीलदार नहीं आया जिसके चलते वहां का प्रभार बड़नगर तहसीलदार रुपाली जैन के पास है और तहसीलदार की संज्ञान में होने के बावजूद भी जिलाधीश के आदेश का पालन न होना कई प्रश्नों को जन्म देता है और बड़नगर के राजस्व विभाग के जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारियों की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खड़े करता है अब देखना यह होगा कि 1 साल से आदेश होने के बाद भी उसका पालन न होने पर जिलाधीश महोदय जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों पर किस प्रकार की कार्यवाही करते हैं यह तो भविष्य के गर्भ में है और आने वाला वक्त ही बताएगा।

लोक अदालतः 73 और 47 लाख के रिकॉर्ड अवार्ड, 5 बिछड़े परिवार भी मिले

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल का नाम रोशन किया तूफान सिंह ने विधि प्रकोष्ठ में इसके पूर्व भी न्याय दिला चुके हैं श्री तूफान सिंह वकील जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित नेशनल लोक अदालत में आज न्याय और सुलह का बड़ा उदाहरण पेश किया गया। खंडपीठ क्रमांक 01 के पीठासीन अधिकारी एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पी सी गुप्ता के मार्गदर्शन में हुए समझौतों में दो सड़क दुर्घटना दावों में 73 लाख और 47 लाख रुपये के रिकॉर्ड अवार्ड पारित किए गए। साथ ही पी सी गुप्ता ने बताया कि उज्जैन जिले की 53 खंडपीठों पर 5 हजार से अधिक प्रकरण जोड़ा।

दुर्घटना क्लेम विशेषज्ञ अधिवक्ता तूफान सिंह सिसौदिया ने बताया कि उज्जैन-देवास रोड पर हुई दुर्घटना में मृत रविन्द्र सिंह के परिजनों को बीमा कंपनी ने 73 लाख रुपये की क्षतिपूर्ती प्रदान की है। वहीं, एक अन्य मामले में श्रुति के पति के अभिषेक की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो पर लोक अदालत के माध्यम से एडवोकेट तूफ़ान सिग सिसोदिया 47 लाख रुपये के राजीनामे पर मुहर लगी। तथा और अन्य और मामले भी सिसौदिया की पैरवी करते हुए लोकदलत के माध्यम से आपसी राजीनामा में छतिपूर्तो राशि प्रदान की गई अन्य मामले जैसे रामचन्द्र (8 लाख), जगदीशचन्द्र (6.21 लाख), सोहन चौधरी (6 लाख) और राम चौधरी (4.98 लाख) सहित अन्य पीड़ितों को भी बड़ी राहत मिली। इन समझौतों में बीमा कंपनी के अधिकारियों और अधिवक्ताओं का विशेष सहयोग रहा, जिससे आम नागरिकों को समय और धन की बचत हुई।

बाबूजी प्रीमियर लीग, क्रिकेट का जुनून सातवें आसमान पर, रात 3 बजे तक मैदान में डटे रहते हैं दर्शक

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक भंवरसिंह शेखावत के मार्गदर्शन में आयोजित बाबूजी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के प्रति नगर और क्षेत्र में भारी उत्साह देखा जा रहा है। खेल के प्रति आकर्षण ऐसा है कि कड़कड़ाती ठंड और रात के समय भी दर्शक मैचों का आनंद लेने के लिए तड़के 3 से 4 बजे तक मैदान में जमे रहते हैं। प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में अब तक 30 रोमांचक मुकाबले खेले जा चुके हैं।

मैदान पर चला बोधवाड़ा-11 का जादू शुक्रवार को खेले गए महत्वपूर्ण मुकाबले में बोधवाड़ा-11 सादलपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ढोलाना-11 को 50 रनों के बड़े अंतर से हराकर अगले दौर के लिए क्वालीफाई किया। अन्य मैचों के परिणामों पर नजर डालें तो उमरिया बड़ा-11 ने कंकराज किंग को 78 रनों से हराया। जोशी-11 नागदा ने भामाखेड़ी-11 सकतली को 12 रनों से शिकस्त दी। किंग-11 केसूर ने पटेल-11 पिपलीया को 4 रनों से पराजित किया। ढोलाना-11 ने ओल्ड-11 घटगारा को 26 रनों से हराकर जीत दर्ज की।

हारने वाली टीम का भी सम्मान - एक अनूठी पहल- विधायक मीडिया प्रभारी महेश पाटीदार ने बताया कि बाबूजी प्रीमियर लीग संभवतः पहली ऐसी प्रतियोगिता है, जहां खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए जीतने वाली टीम के साथ-साथ हारने वाली टीम के खिलाड़ियों को भी मेडल और प्रमाण पत्र वितरित किए जा रहे हैं।

गुरुवार और शुक्रवार को आयोजित मैन ऑफ द मैच और प्रमाण पत्र वितरण समारोह में शहर काजी सलीमउल्ला काजी, गोवर्धनलाल राठौड़, बीआरसी डी.एन. गुजराती, आजाद अध्यापक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष ओ.पी. राठौड़, वरिष्ठ पत्रकार कैलाश राठौड़, रमेशचंद्र राठौड़, पंकज राठौड़, अमृतलाल राठौड़ बतौर अतिथि उपस्थित थे। वहीं शुक्रवार के मैचों में अभिभाषक संघ के दिनेश भदौरिया, निर्देश सोनगरा, अमन पांडे, मोहित चौहान, विष्णुलाल पाटीदार एवं हिंद रक्षक संस्था के सदस्यों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर सिक्का उछाला। अतिथियों का स्वागत देवपालसिंह जादव, राजेश राठौड़, संदीपसिंह चंद्रावत, विकास जाट सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने किया।

लाइव प्रसारण और डिजिटल सुविधा- मैचों का आँखों देखा हाल जुगलकिशोर जाट, फैजानबाबा सुसनेर, जय सिसोदिया और मोहित चौहान ने अपनी कमेंट्री से सुनाया। प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण ञलस लाइव चैनल पर किया जा रहा है, जबकि आदित्य द्विवेदी द्वारा डेटा ऑनलाइन अपलोड किया जा रहा है जिससे खेल प्रेमी परिणाम ऑनलाइन भी देख सकते हैं। मैचों में अंपायरिंग की जिम्मेदारी अरुण जैन, मोहसिन खान और दिलीप परमार ने निभाई।

भगवती माता मंदिर पर शतचंडी महायज्ञ व मेला 19 मार्च से

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। चैत्र नवरात्रि में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी महामाया भगवती माता मंदिर पर पंच कुंडात्मक शतचंडी महायज्ञ का आयोजन 19 मार्च गुरुवार से,, भगवती माता भक्त मंडल द्वारा किया जा रहा है। पुजारी जितेंद्र भारती ने बताया की गुरुवार से ही नो दिवसीय मेला भी लगेगा । मेले में खिलौने, व खाने पीने की दुकानें,, एवं बच्चों के झूले भी लगेंगे । इसके अलावा 23 मार्च को दंगल का आयोजन,, एवं 24 मार्च से 26 मार्च तक राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन भी हो रहा है। भगवती माता भक्त मंडल ने भक्तों से अपील की है की अधिक से अधिक संख्या में पधार कर चैत्र नवरात्रि में भगवती माता एवं शतचंडी महायज्ञ के दर्शन कर मेले में होने वाले सभी कार्यक्रमों का लाभ लेवे। जानकारी भगवती भक्त मंडल के सदस्य देवपुरी गोस्वामी ने दी।

सचिन गाढ़े ने घटना को लेकर अपनी बात रखी

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 4 मार्च 2026 को घोषित शुष्क दिवस के दौरान एक शराब दुकान पर नियमों के उल्लंघन की सूचना मिलने पर सामाजिक कार्यकर्ता सचिन गाढ़े मौके पर पहुंचे और संबंधित जानकारी पुलिस को दी। इस दौरान वहां मौजूद कर्मचारियों के साथ कहासुनी की स्थिति बन गई।

घटना के संबंध में थाना गणपति नाका में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में सचिन गाढ़े ने कहा कि उन पर लगाए गए आरोप निराधार हैं और उन्होंने किसी प्रकार की अनुचित मांग नहीं की है। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं और समाज के हित में कार्य करते रहे हैं। मामले में उन्हें न्यायालय से जमानत मिल चुकी है। उन्होंने न्याय व्यवस्था पर विश्वास जताते हुए कहा कि जांच के बाद सच्चाई सामने आएगी।

गुरुदेव की 17 वीं पुण्यतिथि पर त्रिदिवसीय महोत्सव का आज होगा समापन

मुनिराज पीयूषचन्द्र विजयी जी का नगर में हुआ प्रवेश

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जन जन की आस्था के केन्द्र गुरुदेव जयशेखर विजयी जी म.सा.की 17 वीं पुण्यतिथि का आज रविवार को होगा समापन।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी प पु गुरुदेव की पुण्यतिथि निमित त्रि दिवसीय भव्य आयोजन नगर में चला श्री आदिनाथ पंच कल्याणक पूजन मानमल समरथमल सकलेचा परिवार द्वारा आदिनाथ मंदिर में शुक्रवार को नगर की महिला मंडल द्वारा पढ़ाई गई।शनिवार को ऋषभचंद सुरीश्वर जी के परम शिष्य,मालव प्रवचनकार वर्षीतप तपस्वी मुनिराज पीयूष चन्द्र विजयी जी म.सा.का नगर में ढोल ढमाकों बैंड बाजों के साथ गवली कर प्रवेश हुआ।जयशेखर धाम में प्रवचन के दौरान मुनिराज ने फरमाया कि हर प्राणी मात्र के जीवन में गुरु तो होता है पर सतगुरु वो होता है जिसके आशीष मात्र से उसे जीवन की राह मिल जाती हैं ऐसे ही जयशेखर विजयी जी म.सा. हम सभी के सत गुरुवर थे क्रियादक्ष थे उनका उपकार श्री संघ नहीं भूल सकता है।

शनिवार को दोपहर में स्नात्र पूजा श्री आदिनाथ स्नात्र मंडल महिदपुर द्वारा पढ़ाई गई इस पूजा के लाभार्थी श्री राजेन्द्र ऋषभ महिला मंडल जावरा ने लाभ लिया रात्री में मुनिराज पीयूष चन्द्र विजयी जी म.सा. के जीवन का 7 वा वर्षीतप के उपलक्ष्य में चौबीसी का आयोजन जय शेखर धाम पर सम्पन्न हुआ।

रविवार को महोत्सव का अंतिम दिन सुबह नवकारसी के बाद चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गो से मुनिराज की निश्रा में निकाला जाएगा जय शेखर धाम पर गुरु गुणनवाद सभा का आयोजन व वार्षिक चढ़ावा का कार्यक्रम संपन्न होगा।इस अवसर पर जावरा खाचरोद नागदा रतलाम पूना मुंबई सुमेरपुर शिवगंज राजस्थान आदि जगहों के श्री संघ सदस्य व जैन अजैन धर्मालुजन उपस्थित रहेंगे।दादावाड़ी ट्रस्ट अध्यक्ष मानमल सकलेचा ने सभी गुरुभक्तो को पुण्यतिथि पर पधार कर गुरुभक्ति का परिचय देने का निवेदन किया।उक्त जानकारी डॉ.प्रदीप बाफना द्वारा दी गई।

आज रविवार को नवीन यात्री भवन उदघाटन प्रमिला बहन राजू भाई सोलंकी मुंबई परिवार द्वारा किया जाएगा।

सीएम राइज स्कूल के अधूरे निर्माण का संज्ञान लेंगे विधायक शेखावत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत बदनावर अनुभाग मुख्यालय पर निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय (सी.एम. राइज) का निर्माण कार्य पिछले लंबे समय से अधूरा पड़ा है। विद्यालय भवन का कार्य पूर्ण न होने के कारण स्थानीय छात्रों को इस आधुनिक शिक्षा परियोजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस गंभीर विषय को संज्ञान में लेते हुए क्षेत्रीय विधायक भंवरसिंह शेखावत आगामी 17 मार्च 2026 (मंगलवार) को विद्यालय परिसर का निरीक्षण करेंगे।

निर्माण कार्य में देरी से बढ़ रहा असंतोष राज्य शासन की इस महत्वपूर्ण परियोजना का उद्देश्य छात्रों को उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान करना है, लेकिन कार्य की कछुआ चाल के कारण भवन अब तक पूर्णता की प्रतीक्षा में है। विधायक शेखावत इस निरीक्षण के माध्यम से निर्माण कार्य में हो रही देरी के कारणों की समीक्षा करेंगे और संबंधित एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। इस निरीक्षण के दौरान एसडीएम बदनावर सहित शिक्षा विभाग के आला अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के इंजीनियर भी मौके पर उपस्थित रहेंगे। विधायक महोदय द्वारा कार्य की गुणवत्ता और वर्तमान प्रगति की जांच की जाएगी ताकि छात्रों को जल्द से जल्द नए भवन की सौगात मिल सके। इस निरीक्षण कार्यक्रम को लेकर शिक्षा विभाग और प्रशासनिक अमले में हलचल बढ़ गई है। नगरवासियों को उम्मीद है कि विधायक के हस्तक्षेप के बाद निर्माण कार्य में गति आएगी।

निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन संपन्न

स्वर्गीय श्रीमती आशा देवी रानी साहिबा राघोगढ़ की पुण्यतिथि में किया आयोजन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह राजा साहब की पत्नी स्वर्गीय श्रीमती आशा देवी रानी साहिबा राघौगढ़ की पुण्यतिथि स्मृति स्वरूप विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन सलसलाई नगर में शनिवार को आयोजित किया गया था उक्त आयोजन में राघोगढ़ से कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

नगर में जगह-जगह स्वागत किया गया सलसलाई नगर आगमन पर सबसे प्रथम महाराणा प्रताप शहीद मनोज सोनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम स्थल पहुंचे मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई आयोजक समिति सहित क्षेत्र वासियों ने मंचासीन अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया यह कार्यक्रम में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नरेश प्रताप सिंह कांग्रेस पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र जोशी ने सभा में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए शिविर को एक अति महत्वपूर्ण पहल बताई है मुख्य अतिथि के रूप में जयवर्धन सिंह बाबा साहब ने संबोधित करते हुए कहा कि आज हम केंद्र व राज्य की सत्ता से बाहर है उसके बावजूद भी शाजापुर के पूर्व जिला अध्यक्ष अजब सिंह दरबार के पुत्र मेरे मित्र डॉक्टर राघवेंद्र प्रताप ने क्षेत्र में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर से अनेकों क्षेत्र वासियों की स्वास्थ्य जांच परीक्षण किया गया है।

उचित उपचार भी दिया गया और मेरे पूज्य माता श्री की स्मृति में आयोजित इस शिविर में मेरे सहित 50 से अधिक लोगों ने ब्लड डोनेट कर एक इतिहास बनाया है खुशी की बात तो यह है कि इस ऐतिहासिक और भव्य आयोजन में एकमात्र महिला जो की सुजालपुर की नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष रचना जैन ने खुद ने भी ब्लड डोनेट किया है मुझे अति प्रशंसा हुई इस बात को लेकर कि आज मेरी स्वर्गीय माता श्री के स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में एक महिला होने के नाते रचना जी ने ब्लड डोनेट किया है इसके लिए उन्हें बहुत-बहुत साधुवाद बाबा साहब आगे कहां की भाजपा की सरकार से आमजन परेशान हो गए हैं क्षेत्र की जनता वा हर वर्ग परेशान है।

किसानों को उचित दाम नहीं मिल रहे हैं लोग एलजी के लिए तराई तराई हो गए हैं एलपीजी की कालाबाजारी चल रही है सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए मोदी जी उस दौर में यह बात कहते थे जब भाजपा विपक्ष में थी और कांग्रेस की केंद्र में सरकार थी तब या लोग कहते थे कि जिस दिन भाजपा की सरकार बन जाएगी उसे दिन हम ?40 लीटर डीजल पेट्रोल कर देंगे लेकिन आज डीजल पेट्रोल आसमान छू रहा है अब आगामी चुनाव में लोग भाजपा को जड़ से उखाड़ कर फेंक देंगे की बात कही उक्त स्वास्थ्य शिविर में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र जोशी रामवीर सिंह सिकरवार नरेश्वर प्रताप सिंह राजकुमार कराड़ा गजेंद्र सिंह सिसोदिया अचल सिंह मेवाड़ा महेंद्र सिंह मेवाडा अजब सिंह दरबार राजेंद्र सिंह मालवीय मंगल सिंह राठौड़ जयंत सिकरवार राम तिवारी गौरव परमार रायसिंह मेवाड़ा दीप सिंह जी आदि भी मौजूद थे यहां कार्यक्रम का संचालन चिराग़ परमार ने किया आभार मनोज परमार ने व्यक्त किया शिविर के तहत 50 से अधिक क्षेत्र वासियों ने ब्लड डोनेट कर 40 यूनिट ब्लू शिविर के तहत डोनेट किया था और नगर सहित क्षेत्र के सैकड़ो लोगों को स्वास्थ्य लाभ व और भी अन्य प्रकार की बीमारियों की जांच पड़ताल कर निशुल्क रूप से दवाई गोली का वितरण भी किया गया कार्यक्रम के तत्पश्चात ग्राम पंचायत सलसलाई के सरपंच प्रहलाद सिंह मेवाडा के निवास पहुंचे बाबा साहेब का तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया जहां सभी मीडिया कर्मियों के सवाल के जवाब में बाबा साहब ने कहा कि उक्त शिवराज सिंह जी की सरकार में पेंशन के नाम पर ?300 देते थे लेकिन बीच में कुछ माह के लिए कमलनाथ जी की सरकार बनी जिसमें मे स्वयं कैबिनेट मंत्री था तुरंत पेंशन की राशि में बढ़ोतरी कर एक इतिहास बनाया था लेकिन एक बार फिर हम कार्यरत हैं एलपीजी गैस को लेकर भी मीडिया कर्मियों के सवाल का जवाब देते हुए कहा है कि भाजपा के लोग दलाली कर रहे हैं स्वागत बेला के बाद बाबा साहब का काफिला सलसलाई से सारंगपुर स्थित शाजापुर के पूर्व विधायक हुकुम सिंह करण की फैक्ट्री के लिए रवाना।

रास्तीपुरा वार्ड के गीता दत्त नगर में सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, विधायक, जिलाध्यक्ष, महापौर ने किया डोम निर्माण कार्य का भूमिपूजन, क्षेत्रवासियों में उत्साह

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खंडवा लोकसभा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस,महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल,भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ मनोज माने सहित जनप्रतिनिधियों ने रास्तीपुरा वार्ड के गीता दत्त नगर स्थित स्वामी समर्थ मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना अंतर्गत 10 लाख की लागत से निर्मित होने वाले डोम निर्माण कार्य का शनिवार को विधिवत भूमिपूजन किया। यह सौगात सांसद द्वारा विशेष निधि से दी गई है।कार्यक्रम में पार्षद श्रीमती लता मारकंडेयजनप्रतिनिधियों,क्षेत्रीय नागरिको की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने डोम निर्माण कार्य को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण सौगात बताया।

इस अवसर पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने कहा कि स्वामी समर्थ मंदिर परिसर में बनने वाला यह डोम क्षेत्र के नागरिकों के सामाजिक, धार्मिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन में उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार विकास के निरंतर कार्य कर रही हैं। नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए ऐसे कार्य आगे भी किए जाते रहेंगे।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस,महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि नगर निगम शहर के सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि गीता दत्त नगर क्षेत्र में डोम निर्माण होने से स्थानीय नागरिकों को सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। महापौर ने क्षेत्र के विकास कार्यों में नागरिकों के सहयोग की भी सराहना की।कार्यक्रम को डॉ मनोज माने, पूर्व महापौर अनिल भोसले,किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री मनोज लधवे ने भी सम्बोधित किया। स्वागत उद्बोधन निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने दिया।आभार अधिवक्ता कैलाश यावतकर ने माना। संचालन शिक्षक संजय गुप्ता ने किया।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटील की अनुशंसा पर मिली सौगातें

- सुंदर नगर में 25 लाख का सामुदायीक भवन
- स्वामी समर्थ मंदिर परिसर में 10 लाख का डोम
- गणेश विद्यालय के पास 25 लाख का भवन
- विठ्ठल मंदिर शिवाजी वार्ड लालबाग में 7लाख के कार्य की स्वीकृत
- प्रताप मंडल व्यायाम शाला लालबाग में 12 लाख का निर्माण कार्य
- रास्तीपुरा वार्ड में मूक बधिर विद्यालय के पास सामुदायिक भवन लागत 25 लाख
- महाजनापेठ सतीयारा घाट 10 लाख

इस अवसर पर मध्यप्रदेश पावरलूम फेडरेशन अध्यक्ष जयंती नवलखे, पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप श्रॉफ,जिला पंचायत उपाध्यक्ष गजानन महाजन,महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती किरण रायकवार,महामंत्री संजय जाधव,ईश्वर चौहान, चिंतामन महाजन,भाजपा युवा नेता गजेंद्र पाटील,पार्षदगण, मंडल अध्यक्ष

गीता दत्त नगर, ताप्ती नगर, ताप्ती पार्क तथा शिकारपुरा गेट क्षेत्र के नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रवासियों ने सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

ब्राइट स्टार हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित हुआ वार्षिक उत्सव

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया ब्राईट स्टार हा. से. स्कूल, अकोदिया में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में विद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता भी रवि जी पाण्डेय (भा.ज. पा. जिलाध्यक्ष) विशेष अतिथि श्री हेमराज जी सिसौदिया (जिला पंचायत अध्यक्ष शाजापुर) श्री मती रचना सचिन शर्मा (अध्यक्ष न. प. अकोदिया) श्री जगदीश जी सितारा (वरिष्ठ भाजपा नेता), श्री दौलतसिंह जी मंडलोई (पूर्व अध्यक्ष न. प. अकोदिया) श्री दिलीप जी कुम्भकार (जन शिक्षक) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ शारदा का पूजन किया तत्पश्चात सभी अतिथियो का विद्यालय शिक्षक परिवार की ओर से पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत किया गया । संस्था प्रमुख श्री नरेन्द्र जी मेहता द्वारा अतिथियों का परिचय करवाया गया एवं इस वर्ष विद्यालय की उपलब्धियों से सभी को अवगत करवाया गया। प्राचार्य श्रीमती ममता मेहता द्वारा सभी अतिथियो, पालकगणों एवं बच्चों को सम्बोधीत किया गया। बच्चो द्वारा आकर्षक एवं रंगारंग प्रस्तुतियों का सभी ने आनंद लिया । आयोजन में बच्चों ने एवं नगरवासियो ने व्यस्ततम समय में आयोजन को सफल बनाया । कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री सतीश राठौर एवं शिक्षिका टीना राठौर और सेजल जैन द्वारा किया गया एवं आभार संस्था के उपप्राचार्य श्री नैनीश मेहता द्वारा व्यक्त किया गया कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक अंकुर शर्मा एवं समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 363 करोड़ 82 लाख रूपये के 127 विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं भूमिपूजन

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 15 मार्च को विभिन्न विकास कार्यों की सौगातों के साथ नेपानगर में भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार 363 करोड़ 82 लाख रूपये के 127 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जायेगा। प्रस्तावित ''जनजातीय सम्मेलन एवं विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम'' में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित रहेगी। लेख है कि नेपानगर विधानसभा क्षेत्र जो कि जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र है, में जनजातीय समुदाय के हितों एवं सहभागिता के लिये आयोजित जनजातीय सम्मेलन में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी एवं संवाद भी स्थापित किया जायेगा। मुख्य कार्यक्रम स्थल नेपानगर के नेहरू स्टेडियम में कृषि, उद्यानिकी, पशु चिकित्सा, आजीविका मिशन, वन विभाग द्वारा ''विकास प्रदर्शनी'' आयोजित रहेगी। विकास कार्यों की सौगातों के साथ-साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित आगमन कार्यक्रम हेतु जिला प्रशासन की तैयारियां अपने अंतिम चरण पर है।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक समारोह समिति की नवीन कार्यकारिणी गठित

अर्पित सोनी (इंद्रप्रस्थ गार्डन) अध्यक्ष एवं मनीष सियाल सचिव बने

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर एवं अहिंसा परमो धर्म का शुभ संदेश देने वाले भगवान महावीर के जन्म कल्याणक को धूमधाम से मनाने हेतु भगवान महावीर जन्म कल्याणक समारोह समिति की बैठक आनंद भवन गांधी चौक पर संपन्न हुई। जिसमें नवीन अध्यक्ष हेतु विनोद बम द्वारा अर्पित सोनी (इंद्रप्रस्थ गार्डन) का नाम प्रस्तावित किया गया। जिसे सदन द्वारा सर्वानुमति से स्वीकार किया गया। साथ ही कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। जिसमें सचिव मनीष सियाल,सह सचिव चंदन पाटोदी, कोषाध्यक्ष नितिन सरनोद, सांस्कृतिक सचिव साकेत गामा,अंकित खाबिया,नम्रता पाटोदी, मीडिया प्रभारी राजकुमार नाहर, संरक्षक सुकमाल छाजेड़, अशोक गोधा, राजेंद्र जैन दंगवाड़ा, अभय टोंग्या, विनोद बम, वनीषराज कटारिया, मनोज बिलाला, राजेंद्र बरडिया, अशोक छाजेड़, उपाध्यक्ष पुखराज सियाल, प्रदीप बुरड़,पवन अजमेरा, त्रिलोक चंद पाटनी, अनिल पाटोदी, तेजकुमार शाह एवं राजकुमार पारीख को बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र शाह, सुनील गोलेचा, संदीप मारू, वीरेंद्र राठौर, जितेंद्र काला, प्रदीप गादिया, सुनील गोधा, नवीन काला, अमित कुमठ, विनोद मालू, प्रकाश दलाल, सुनील अजमेरा, गुणवंत विनायका, संजय बिलाला, डॉ.अभिषेक कासलीवाल, संदीप संघवी को नियुक्त किया गया। साथ ही समारोह हेतु विभिन्न समितिया जैसे जुलूस,भोजन व्यवस्था, प्रशासनिक व्यवस्था, प्रचार प्रसार व्यवस्था आदि भी बनाई गई। नवनिर्वाचित समिति अध्यक्ष अर्पित सोनी ने बताया कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक को भव्यता और एकता के साथ धूमधाम से मनाया जायेगा।उक्त नियुक्ति पर समाज जन एवं इष्ट मित्रों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

गैस एजेंसियों के गोदामों का निरीक्षण, जिले में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है गैस का स्टॉक

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में संचालित गैस एजेंसियों की स्थिति का जायजा लेने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ, पेटलावद, थांदला एवं मेघनगर द्वारा अपने-अपने अनुभाग क्षेत्र में गैस एजेंसियों के गोदामों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गैस सिलेंडरों के उपलब्ध स्टॉक की जानकारी ली गई।

इस दौरान संबंधित क्षेत्रों के तहसीलदार एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण में पाया गया कि जिले में गैस सिलेंडरों का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। एजेंसियों पर उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की कतार या भीड़ की स्थिति नहीं पाई गई तथा बुकिंग के अनुसार उपभोक्ताओं को नियमित रूप से रिफिलिंग उपलब्ध कराई जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि पूर्व दिवस की तुलना में आज पोर्टल भी सुचारू रूप से कार्य कर रहा है, जिससे उपभोक्ताओं में विश्वास बना हुआ है और गैस वितरण व्यवस्था सामान्य रूप से संचालित हो रही है। प्रशासन द्वारा सभी हितग्राहियों से आग्रह किया गया है कि गैस सिलेंडर की बुकिंग पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से संबंधित ऑयल कंपनी के टोल फ्री नंबर पर ही करें। साथ ही किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी या अफवाहों पर ध्यान न दें।

मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला 19 मार्च से शुरू होगा, प्रतिदिन होंगे धार्मिक व संस्कृति कार्यक्रम-अर्चना चिटनिस

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम धामनगांव स्थित मां वाघेश्वरी मंदिर परिसर में 19 मार्च 2026 गुरुवार गुड़ी पड़वा से 27 मार्च 2026 शुक्रवार श्रीराम नवमी तक मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले का आयोजन किया जाएगा। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस दीदी की विशेष उपस्थिति में आयोजित बैठक में मेले की तैयारियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

श्रीमती चिटनिस ने बताया कि मेले में धार्मिक आस्था, संस्कृति, ग्रामीण परंपरा और मनोरंजन का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। नौ दिनों तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, वहीं दिन में किसानों के लिए कृषि से जुड़े कार्यक्रम होंगे।

19 मार्च को भव्य दिंडी पदयात्रा से होगा मेले का शुभारंभ- मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले का शुभारंभ 19 मार्च 2026 गुरुवार को भव्य दिंडी पदयात्रा से किया जाएगा। यह पदयात्रा शाम 5 बजे ग्राम बंभाड़ा स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर से प्रारंभ होकर मां वाघेश्वरी मंदिर ग्राम धामनगांव पहुंचेगी। पदयात्रा में कीर्तनकार, भजन मंडलियां, वारकरी दिंडी मंडल तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

प्रतिदिन शाम 6 बजे से आयोजित होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम मेले के दौरान प्रतिदिन शाम 6 बजे से विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 20 मार्च 2026 शुक्रवार को संदीप पाल महाराज द्वारा नव खंजरी के फूल कॉमेडी कीर्तन प्रस्तुत किया जाएगा। 21 मार्च 2026 शनिवार को ब्रह्मपुर कला कौशल द्वारा व्यायामशालाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। 22 मार्च 2026 रविवार को पारंपरिक कांटा-कुश्ती का विशाल आम दंगल आयोजित होगा। 23 मार्च 2026 सोमवार को नागपुर की चंद्रमुखी लावणी डांस ग्रुप द्वारा मराठी रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। 24 मार्च 2026 मंगलवार को बाबा खाटू श्याम जी का भव्य दरबार सजेगा और भजन संध्या आयोजित होगी। 25 मार्च 2026 बुधवार को इंडियन आइडल फेम गायक राहुल द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी।26 मार्च 2026 गुरुवार को शेखर निरंजन भाखरे सिल्लौड द्वारा भारुंड रंग की प्रस्तुति होगी। 27 मार्च 2026 शुक्रवार को अरुण मनी लख्खा द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ कार्यक्रमों का समापन होगा।

खेल प्रतियोगिताओं का भी होगा आयोजन- ग्रामोदय मेले के अंतर्गत 19 मार्च 2026 गुरुवार से 27 मार्च 2026 शुक्रवार तक क्रिकेट और कबड्डी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 25 मार्च 2026 बुधवार को कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

ग्रामोदय मेले में हस्तशिल्प, बाजार और मनोरंजन के आकर्षण- मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले में इस वर्ष हस्तशिल्प और वस्त्र बाजार के साथ मनोरंजन के भी कई आकर्षण देखने को मिलेंगे। मेले में महाराष्ट्र की पारंपरिक साड़ियां, चंदेरी व महेश्वरी साड़ियां, बाग प्रिंट के वस्त्र, लेदर से बने बेल्ट, पर्स, कोल्हापुरी चप्पल और सैंडल की दुकानें लगेंगी। इसके साथ ही रेडीमेड कपड़ों, आर्टिफिशियल आभूषणों, लकड़ी के खिलौनों तथा ग्रामीण व आदिवासी महिलाओं की पसंदीदा साड़ियों और गमछों की विशेष दुकानें भी रहेंगी। परिवार और बच्चों के मनोरंजन के लिए ऊंट-घोड़े की सवारी तथा स्वादिष्ट व्यंजनों से सजी विशेष चौपाटी भी मेले का आकर्षण रहेगी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन का सफल आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान के नेतृत्व में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में जनपद पंचायत मेघनगर एवं थांदला क्षेत्र के कुल 193 जोड़े विवाह के बंधन में बंधे, जबकि 1 जोड़े ने शहर काजी की उपस्थिति में निकाह किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में थांदला विधायक श्री वीरसिंह भूरिया एवं पूर्व विधायक श्री कलसिंह भाबर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत मेघनगर की अध्यक्ष श्रीमती ललिता मुनिया ने की। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती सुशीला गौरसिंह वसुनिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

थांदला विधायक श्री वीरसिंह भूरिया ने सभी नवदंपत्तियों को वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए और सभी पात्र हितग्राहियों को इसका शत-प्रतिशत लाभ मिले। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी कर्मचारियों की सराहना की। वहीं जनपद अध्यक्ष श्रीमती ललिता मुनिया ने सभी जोड़ों के सुखी एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला 19 मार्च से शुरू होगा, प्रतिदिन होंगे धार्मिक व संस्कृति कार्यक्रम-अर्चना चिटनिस

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम धामनगांव स्थित मां वाघेश्वरी मंदिर परिसर में 19 मार्च 2026 गुरुवार गुड़ी पड़वा से 27 मार्च 2026 शुक्रवार श्रीराम नवमी तक मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले का आयोजन किया जाएगा। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस दीदी की विशेष उपस्थिति में आयोजित बैठक में मेले की तैयारियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

श्रीमती चिटनिस ने बताया कि मेले में धार्मिक आस्था, संस्कृति, ग्रामीण परंपरा और मनोरंजन का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। नौ दिनों तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, वहीं दिन में किसानों के लिए कृषि से जुड़े कार्यक्रम होंगे।

19 मार्च को भव्य दिंडी पदयात्रा से होगा मेले का शुभारंभ

मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले का शुभारंभ 19 मार्च 2026 गुरुवार को भव्य दिंडी पदयात्रा से किया जाएगा। यह पदयात्रा शाम 5 बजे ग्राम बंभाड़ा स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर से प्रारंभ होकर मां वाघेश्वरी मंदिर ग्राम धामनगांव पहुंचेगी। पदयात्रा में कीर्तनकार, भजन मंडलियां, वारकरी दिंडी मंडल तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

प्रतिदिन शाम 6 बजे से आयोजित होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

मेले के दौरान प्रतिदिन शाम 6 बजे से विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 20 मार्च 2026 शुक्रवार को संदीप पाल महाराज द्वारा नव खंजरी के फूल कॉमेडी कीर्तन प्रस्तुत किया जाएगा। 21 मार्च 2026 शनिवार को ब्रह्मपुर कला कौशल द्वारा व्यायामशालाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। 22 मार्च 2026 रविवार को पारंपरिक कांटा-कुश्ती का विशाल आम दंगल आयोजित होगा। 23 मार्च 2026 सोमवार को नागपुर की चंद्रमुखी लावणी डांस ग्रुप द्वारा मराठी रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। 24 मार्च 2026 मंगलवार को बाबा खाटू श्याम जी का भव्य दरबार सजेगा और भजन संध्या आयोजित होगी। 25 मार्च 2026 बुधवार को इंडियन आइडल फेम गायक राहुल द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी।26 मार्च 2026 गुरुवार को शेखर निरंजन भाखरे सिल्लौड द्वारा भारुंड रंग की प्रस्तुति होगी। 27 मार्च 2026 शुक्रवार को अरुण मनी लख्खा द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ कार्यक्रमों का समापन होगा।

खेल प्रतियोगिताओं का भी होगा आयोजन

ग्रामोदय मेले के अंतर्गत 19 मार्च 2026 गुरुवार से 27 मार्च 2026 शुक्रवार तक क्रिकेट और कबड्डी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 25 मार्च 2026 बुधवार को कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

ग्रामोदय मेले में हस्तशिल्प, बाजार और मनोरंजन के आकर्षण

मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले में इस वर्ष हस्तशिल्प और वस्त्र बाजार के साथ मनोरंजन के भी कई आकर्षण देखने को मिलेंगे। मेले में महाराष्ट्र की पारंपरिक साड़ियां, चंदेरी व महेश्वरी साड़ियां, बाग प्रिंट के वस्त्र, लेदर से बने बेल्ट, पर्स, कोल्हापुरी चप्पल और सैंडल की दुकानें लगेंगी। इसके साथ ही रेडीमेड कपड़ों, आर्टिफिशियल आभूषणों, लकड़ी के खिलौनों तथा ग्रामीण व आदिवासी महिलाओं की पसंदीदा साड़ियों और गमछों की विशेष दुकानें भी रहेंगी। परिवार और बच्चों के मनोरंजन के लिए ऊंट-घोड़े की सवारी तथा स्वादिष्ट व्यंजनों से सजी विशेष चौपाटी भी मेले का आकर्षण रहेगी।

किसानों के लिए विशेष कार्यक्रम- ग्रामोदय मेले में किसानों के लिए 19 मार्च से 27 मार्च तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से कृषि आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें आधुनिक खेती की तकनीक, कपास की नई वैरायटी, कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी, प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण तथा उद्यानिकी और वन विभाग द्वारा पौधों का वितरण किया जाएगा। प्राकृतिक खेती विषय पर डॉ. श्रीराम हैदराबाद किसानों से संवाद करेंगे। साथ ही मिट्टी, जल और ऊर्जा संरक्षण विषय पर विशेष कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी।

16 वर्षों से ग्रामीण परिवेश में झोपड़ी में रात्रि विश्राम कर निभा रही हैं अनूठी परंपरा

ज्ञात हो कि विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस पिछले लगभग 16 वर्षों से चैत्र नवरात्रि के नौ दिनों तक ग्राम धामनगांव स्थित मां वाघेश्वरी मंदिर परिसर में ग्रामीण परिवेश में बनी साधारण झोपड़ी में रात्रि विश्राम करती हैं। इस दौरान वे गांव में रहकर ग्रामीणों के बीच संवाद करती हैं और जल संरक्षण, स्वच्छता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार, योग-प्राणायाम तथा परंपरागत कृषि पद्धति जैसे विषयों पर जनजागरण का कार्य करती हैं।

ग्राम धामनगांव में आयोजित होने वाला मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला आज धार्मिक आस्था, संस्कृति और ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है, जिसमें क्षेत्र की बड़ी संख्या में जनता उत्साहपूर्वक भागीदारी करती है।

ग्रामोदय मेले की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में बैठक में विरेन्द्र तिवारी, प्रदीप पाटिल, किशोर पाटिल, चिंतामन महाजन, प्रभाकर चौधरी, अशोक पाटिल, अरूण सूर्यवंशी, दिनकर महाजन, मनोज चौधरी, स्वर्णसिंह बर्ने, देवानंद पाटिल, अमोल पाटिल, वैभव महाजन, कन्हैया महाजन, धनराज महाजन, दिवाकर कोली, फिरोज तडवी, नितिन महाजन, आकाश राखुंडे, गणेश महाजन, अक्षय पाटिल, कनिराम राठौड़, गोपाल चौधरी, विठ्ठल किरोचे, सचिन मोपारी, योगेश चौधरी, राजू पाटिल, दिनकर महाजन, स्वप्निल पाटिल, मयूर पाटिल, श्रीकांत सोनवने, राजेश पाटिल, जयेश राउत, अशोक महाजन, प्रफुल लोखंडे, नरेश महाजन एवं रोशन पाटिल, जीतू नहते, निलेश राठौर, अंकुश भंवरे सहित समस्त जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, कलाप्रेमी, खिलाड़ियों सहित श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं धर्मराज मीणा पिता श्री चतरु लाल मीणा आयु 40 वर्ष निवासी आदित्य नगर अमलवादिया रोड नागदा जिला उज्जैन (म.प्र.) ,मेरी पुत्री के आधार कार्ड में त्रुटिवश अनिश्का मीणा (ANISHKA MEENA) नाम दर्ज हो गया है ,जो की गलत है जबकि उसके जन्म प्रमाण पत्र में खुशी मीणा (KHUSHI MEENA) दर्ज है जो की वास्तविक एवं सही है। अतःप्रकाशन के उपरांत मेरे पुत्री का नाम शासकीय अशासकीय सभी दस्तावेजो में खुशी मीणा (KHUSHI MEENA) के नाम से जाना पहचाना जावे एवं आधार कार्ड मे नाम संशोधन किया जावे ।

भवदीय :-
धर्मराज मीणा आदित्य नगर
अमलवादिया रोड नागदा जिला उज्जैन (म.प्र.)

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

करंट से मजदूर की मौत पर भड़का आक्रोश... चरक अस्पताल के बाहर चक्काजाम

सिंहस्थ निर्माण कार्य में सुरक्षा लापरवाही का आरोप, ठेकेदार पर एफआईआर और मुआवजे की मांग, एसडीएम की समझाइश के बाद खुला जाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ से जुड़े निर्माण कार्य के दौरान एक श्रमिक की करंट लगने से मौत हो जाने के बाद शनिवार सुबह चरक अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा हुआ। मृतक के परिजनों के साथ शिवसेना और भीम आर्मी के पदाधिकारी सड़क पर उतर आए और आगर रोड पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ठेकेदार पर एफआईआर दर्ज करने और मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की।

करीब एक घंटे तक पीएम रूम परिसर के बाहर माहौल तनावपूर्ण बना रहा। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश देने का प्रयास किया, लेकिन परिजन कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। बाद में एसडीएम एलएन गर्ग के मौके पर पहुंचकर आश्वासन देने के बाद जाम समाप्त हुआ।

सड़क चौड़ीकरण के काम में हुआ हादसा- जानकारी के अनुसार राकेश सूर्यवंशी पिता रामचंद्र सूर्यवंशी निवासी ग्राम खड़ोतिया सिंहस्थ के लिए चल रहे कोयला फाटक-निजातपुरा मार्ग चौड़ीकरण कार्य में इलेक्ट्रिक का काम कर रहा था। शुक्रवार को पाइप रिपेयरिंग के दौरान वह इलेक्ट्रिक ग्राइंडर मशीन चला रहा था, तभी अचानक करंट की चपेट में आ गया। साथी मजदूर उसे तत्काल चरक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सुरक्षा उपकरण नहीं दिए जाने का आरोप- घटना के बाद परिजनों ने ठेकेदार और साइट सुपरवाइजर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के काम कराया जा रहा था। मौके पर पानी भी फैला हुआ था, जिससे करंट फैलने का खतरा बना हुआ था। इसके बावजूद काम बंद नहीं कराया गया और श्रमिकों से काम कराया जाता रहा।

टाइमलाइन के दबाव में सुरक्षा से समझौता - सिंहस्थ को लेकर शहर में सैकड़ों स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहे हैं और हजारों मजदूर दिन-रात काम में जुटे हैं। आरोप है कि काम समय पर पूरा करने की जल्दबाजी में ठेकेदार मजदूरों की सुरक्षा को नजरअंदाज कर रहे हैं।

समझाइश के बाद खत्म हुआ जाम - हंगामे की सूचना मिलने पर कोतवाली टीआई डीबीएस तोमर मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। बाद में एसडीएम एलएन गर्ग के पहुंचने और उचित कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद प्रदर्शनकारियों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया।

उज्जैन में रोज खपती हैं 12 हजार घरेलू गैस टंकियां, होटलों में शुरू हुआ वैकल्पिक ईंधन का उपयोग

गैस संकट के बीच खाद्य विभाग की सख्ती, होटल-रेस्टोरेंट अब डीजल भट्टी,

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के असर से गैस आपूर्ति पर पड़े दबाव का असर अब शहर में भी दिखाई देने लगा है। उज्जैन में घरेलू उपयोग के लिए प्रतिदिन लगभग 12 हजार गैस टंकियों की खपत हो रही है। वहीं होटल, रेस्टोरेंट और अन्य निजी व्यावसायिक संस्थानों में घरेलू गैस के उपयोग पर सख्ती के बाद वैकल्पिक ईंधन की तलाश शुरू हो गई है।

खाद्य विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई करते हुए पूरे मध्य प्रदेश में अब तक करीब 97 हजार घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए जा चुके हैं। विभाग की टीमों द्वारा होटल और रेस्टोरेंट में घरेलू गैस के उपयोग को लेकर लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार उज्जैन शहर में करीब दो हजार व्यावसायिक गैस कनेक्शन हैं, जबकि अधिकांश होटलों और रेस्टोरेंट में घरेलू गैस टंकियों का उपयोग किया जाता रहा है। हाल ही में गैस आपूर्ति में आई कमी के कारण एजेंसियों ने व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति सीमित कर दी है, जिससे होटल संचालकों के सामने संकट की स्थिति बन गई है। ऐसे में कई होटल और रेस्टोरेंट संचालक अब डीजल भट्ठी, लकड़ी, कोयला और इंडक्शन चूल्हों जैसे विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि गैस आपूर्ति की स्थिति सामान्य नहीं हुई तो आने वाले समय में खाद्य पदार्थों के दाम भी बढ़ सकते हैं। इधर खाद्य विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार जिले में सात टीमों का गठन कर निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी यह कार्रवाई जारी रहेगी।

डिवीजनल कमांडेंट ने किया जिला होमगार्ड कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला होमगार्ड कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण आज शनिवार सुबह डिवीजनल कमांडेंट रोहिताश कुमार पाठक द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान होमगार्ड जवानों की तैयारियों, प्रशिक्षण व्यवस्था तथा उपलब्ध संसाधनों का जायजा लिया गया।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट संतोष कुमार जाट सहित पीसी और होमगार्ड के जवान उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जवानों की तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। डिवीजनल कमांडेंट पाठक ने जवानों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आपदा या आपात स्थिति में होमगार्ड की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने जवानों को सतर्कता और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया तथा उनका हौसला बढ़ाया।

अस्थियां विसर्जन करने की बात पर परिवार में विवाद

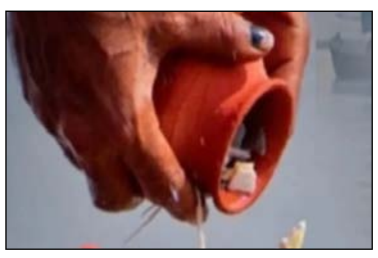

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम दताना में रहने वाले रोहितदास बैरागी के पिता का 3 दिन पूर्व निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार दताना शमशान घाट पर किया गया था। शुक्रवार सुबह रोहित पिता अस्थियां एकत्रित करने पहुंचा। इस दौरान काका के पुत्र श्यामदास बैरागी, राजूदास बैरागी और भतीजे विकास बैरागी, यशोमणी बैरागी भी पहुंच गये। उन्होने रोहितदास से अस्थियां मांगी और विसर्जन करने की बात कही। रोहितदास ने अपने पिता की अस्थियां खुद विसर्जित करने की बात कहीं। जिस पर उनके बीच विवाद हो गया। कहासुनी इतनी बढ़ी कि काका के पुत्रों और भतीजों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे डाली। मारपीट में रोहितदास घायल हो गया। उसे रिश्तेदार हरिवल्लभ बैरागी नरवर थाने लेकर पहुंचा। पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण करने के बाद मामले में मारपीट करने वाले चारों लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

सिंहस्थ-2028 में किन्नर अखाड़े का भव्य डेरा, पिछली बार से कई गुना बड़ा होगा कैंप

उज्जैन में स्थायी अखाड़ा बनाने जमीन की तलाश तेज , सिंहस्थ मंथन में 4 नए महामंडलेश्वर बनाए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की आहट के साथ ही अखाड़ों की तैयारियां अभी से तेज हो गई हैं। इंटरनेशनल किन्नर अखाड़ा ने भी साफ कर दिया है कि इस बार सिंहस्थ में उनका कैंप पहले से कहीं ज्यादा बड़ा और भव्य होगा। अखाड़ा उज्जैन में स्थायी ठिकाना बनाने के लिए जमीन की तलाश भी कर रहा है, ताकि आने वाले कुंभ और सिंहस्थ में व्यवस्थाएं और बेहतर हो सकें।

शुक्रवार को शहर के शिवांजलि गार्डन में इंटरनेशनल किन्नर अखाड़ा के पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें उज्जैन और नासिक में लगने वाले सिंहस्थ और हरिद्वार कुंभ में भागीदारी को लेकर चर्चा की गई। साथ ही धार्मिक आयोजनों और व्यवस्थाओं पर भी मंथन किया गया।

बैठक के दौरान अखाड़े ने चार नए महामंडलेश्वरों का विधिवत पट्टाभिषेक भी किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्रपुरी और जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय सचिव रामेश्वर गिरि विशेष रूप से मौजूद रहे और नए महामंडलेश्वरों को आशीर्वाद दिया।

चार नए महामंडलेश्वर बनाए- आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने चांदी के शंख से दुग्धाभिषेक कर और केसरिया शॉल ओढ़ाकर चार संतों को महामंडलेश्वर की पदवी दी। इनमें सूरत के दिलीपनंद गिरि, तेलंगाना के महाकालीनंद गिरि, राजस्थान के कामाख्या नंद गिरि और उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ (गढ़ी मानिकपुर) के रेखानंद गिरि शामिल हैं। इसके अलावा गुजरात की नंदिनीनंद गिरि, महाराष्ट्र के अकोला के गणेशानंद गिरि, इंदौर की सुनहरी नंद गिरि, आकांक्षा नंद गिरि, गुंजन नंद गिरि, अलोपी नंद गिरि और खुशीनंद गिरि को श्रीमहंत की पदवी प्रदान की गई।

सनातन धर्म की अलख जगा रहा किन्नर समाज- अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्रपुरी ने कहा कि किन्नर समाज सनातन धर्म की परंपरा को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। अखाड़ों के साथ मिलकर किन्नर संत समाज में धर्म और संस्कृति के प्रचार-प्रसार का काम कर रहे हैं।

वहीं किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने कहा कि उनका अखाड़ा सनातन परंपरा का अभिन्न हिस्सा है और सिंहस्थ में किन्नर संतों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अखाड़ा समाज सेवा, धर्म प्रचार और सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए लगातार काम कर रहा है।

सिंहस्थ-2028 को लेकर उत्साह- डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि उज्जैन में सिंहस्थ की तैयारियां सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में कई बड़े काम हो रहे हैं और आने वाला सिंहस्थ भव्य, सुंदर, सुरक्षित और स्वस्थ होगा। उन्होंने बताया कि इस बार सिंहस्थ में किन्नर अखाड़े को अधिक जमीन की जरूरत होगी। इसी वजह से उज्जैन में स्थायी अखाड़ा बनाने के लिए जमीन की तलाश की जा रही है और इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा भी की जा रही है।

फर्जीवाड़े पर सख्त कार्रवाई की मांग- डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि कुछ लोग सनातन धर्म को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने किन्नर अखाड़े के पंजीयन से जुड़े कथित दस्तावेज दिखाने वाले ऋषि अजय दास को फर्जी बताते हुए कहा कि वह किन्नर नहीं बल्कि पुरुष है और अखाड़ा उसे पहले ही बहिष्कृत कर चुका है। उन्होंने हनी ट्रैप के मामलों और सनातन का चोला पहनकर ठगी करने वाले लोगों पर भी सख्त कार्रवाई की मांग की।

इनका कहना है - उज्जैन में सिंहस्थ की तैयारियां अच्छी चल रही हैं। हमारा प्रयास रहेगा कि किन्नर अखाड़ा भी सिंहस्थ-2028 में भव्य और व्यवस्थित कैंप लगाए।

— डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी, आचार्य महामंडलेश्वर, किन्नर अखाड़ा

नगरीय प्रशासन आयुक्त भोंडवे की अध्यक्षता और सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह की उपस्थिति में ग्रीन सिंहस्थ 2028 को मूर्त रूप देने के लिए बैठक आयोजित की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की श्री महाकाल वन की परिकल्पना में आध्यात्मिक पर्यावरण की संकल्पना के साथ मां क्षिप्रा को हरियाली से आच्छादित कर, मां क्षिप्रा की आरती को वैभव प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है, जिसका दृश्य सिंहस्थ -2028 में दिखाई देगा। इसके लिए वृहद स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरुप पर्यावरण संरक्षण को समाहित कर भारतीय संस्कृति के अनुरुप सिंहस्थ 2028 ग्रीन सिंहस्थ के रूप में आयोजित किया जाएगा। इसी तारतम्य में नगरीय प्रशासन आयुक्त श्री संकेत भोंडवे की अध्यक्षता और सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह व कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की उपस्थिति में शनिवार सुबह सिंहस्थ मेला कार्यालय में ग्रीन सिंहस्थ को मूर्त रूप देने के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रीन सिंहस्थ को मूर्त रूप देने के लिए बनाई गई कार्ययोजना पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश नगर निगम, स्मार्ट सिटी, वन विभाग, उद्यानिकी विभाग और अन्य संबंधित विभागों को दिए गए।

बैठक में नगरीय प्रशासन आयुक्त श्री भोंडवे ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार शिप्रा रिवर फ्रंट डेवलपमेंट और मां शिप्रा की आरती को वैभव प्रदान करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। सिंहस्थ 2028 को ग्रीन सिंहस्थ बनाने के लिए वृहद स्तर पर पौधारोपण किया जाना प्रस्तावित है। उक्त कार्य को मूर्त देने के लिए मदर नर्सरी विकसित करने, सिंहस्थ 2028 दृष्टिगत निर्माणाधीन मार्गों और जिले के अन्य मार्गों के किनारे और डिवाईडरों पर गुलमोहर, पलाश, टिकोमा, अमलताश, कचनार, आम, अमरूद, बेलपत्र, नीम, पीपल, इमली, शीशम, जामुन आदि किस्मों के फूल, फल और छाया वाले पौधों को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगाने के निर्देश दिए। पौधारोपण के लिए निर्धारित मापदंडों अनुसार गड्ढे खोदना, क्लोजर ऐरिया विकसित करना, पौधारोपण कर जियो टेगिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रोपे गए पौधों के समुचित विकास के लिए नगर निगम को गीले कचरे का उपयोग कर वर्मीकंपोस्ट बनाने की क्षमता का विकास करने और जलकुंभी से खाद बनाने आदि के निर्देश भी दिए।

बैठक में श्री भोंडवे ने सड़क किनारे रोपे जाने वाले पौधों और नगर में स्थित उद्यानों को सामाजिक संस्थाओं को गोद देने के निर्देश दिए, जिससे पौधारोपण की प्रक्रिया में नागरिक भी भागीदार बनकर पौधों के व्यवस्थित रूप से विकास और रखरखाव में सहभागी बने। बैठक में पुराने उद्यानों का कायाकल्प करने और पौधारोपण के लिए वन विभाग, नगर निगम, जिला पंचायत, स्मार्ट सिटी, उद्यानिकी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों और सामाजिक संस्थाओं के दल गठित करने के निर्देश दिए।

उज्जैन शहरी वनीकरण परियोजना अंतर्गत नगर निगम सीमा में 10 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा - बैठक में संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह ने जानकारी दी कि सिंहस्थ 2028 और अन्य मुख्य पर्वों पर आने वाले श्रद्धालुओं के सुव्यवस्थित ट्रेफिक मुवमेंट के लिए सर्वे कर जिले के पहुंच मार्गों पर आवश्यक कार्य किए जा रहे है। बैठक में प्रमुख मार्गों पर ई.वी. चार्जिंग स्टेशन डेवलप करने की जानकारी भी दी गई।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने पौधारोपण की कार्ययोजना अनुसार भूमि की पहचान, भूमि की तैयारी, एनजीओ के चयन, पौधों की रोपण आदि प्रक्रिया की जानकारी दी। बैठक में जानकारी दी गई कि नगर निगम द्वारा उज्जैन शहरी वनीकरण परियोजना अंतर्गत नगर निगम सीमा में 10 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।

कलेक्टर की सख्ती का असरः दूसरे दिन समय पर पहुंचे डॉक्टर, चरक अस्पताल में दिखाई दिया अनुशासन

अचानक निरीक्षण के बाद प्रशासन का सख्त संदेश, सिविल सर्जन ने भी किया अस्पताल का जायजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चरक अस्पताल में कलेक्टर की सख्ती का असर दूसरे ही दिन साफ दिखाई दिया। सुबह अस्पताल में डॉक्टर समय पर पहुंचकर मरीजों का इलाज करते नजर आए। इसके एक दिन पहले कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा किए गए औचक निरीक्षण और कार्रवाई के बाद अस्पताल के डॉक्टरों और स्टाफ में हड़कंप की स्थिति बन गई थी। इसका परिणाम यह रहा कि दूसरे दिन अस्पताल में व्यवस्था अपेक्षाकृत बेहतर दिखाई दी।

सुबह से ही डॉक्टर अपने-अपने कक्षों में मौजूद रहे और मरीजों की जांच करते नजर आए। अस्पताल आने वाले मरीजों को भी पहले की तुलना में बेहतर व्यवस्था देखने को मिली। वहीं सिविल सर्जन डॉ. संगीता पलसानिया ने भी अस्पताल पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और स्टाफ को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले दोपहर में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने चरक अस्पताल का अचानक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान कई व्यवस्थाएं लापरवाही की भेंट चढ़ी हुई मिलीं। इस पर कलेक्टर ने मौके पर ही सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

लिफ्ट संचालन में लापरवाही पाए जाने पर लिफ्ट ऑपरेटर एजेंसी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में कमी मिलने पर सिक्योरिटी एजेंसी पर भी 50 हजार रुपए का दंड लगाया गया। निरीक्षण के दौरान कई सुरक्षा गार्ड ड्यूटी पर मौजूद नहीं थे और कुछ गार्ड बिना यूनिफॉर्म के पाए गए, जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। डॉक्टरों की उपस्थिति को लेकर भी कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाया। बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर डॉ. राजेंद्र उपलावदिया, डॉ. ऋजुजा महाजन और डॉ. हर्षिता मोरे का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। वहीं लंबे समय से लगातार बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर डॉ. पंकज मालवीय को सेवा से हटाने के निर्देश जारी किए गए। कलेक्टर की इस सख्त कार्रवाई के बाद अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया था। यही वजह रही कि शुक्रवार सुबह से ही अस्पताल में अनुशासन और जिम्मेदारी का माहौल देखने को मिला। प्रशासन का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भविष्य में भी इसी तरह औचक निरीक्षण जारी रहेंगे।

केरल की वारदात में फरार 2 महिलाओं को उज्जैन पुलिस ने पकड़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केरल में 10 साल पहले हुई लूट और हत्या के मामले में फरार चल रही दो महिलाओं को उज्जैन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों को केरल पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि वर्ष 2016 में केरल से कुन्नूर जिले में हुई हत्या और लूट के मामले में 10 सालों से फरार दो महिलाओं की तरह केरल पुलिस कर रही थी। दोनों महिलाओं के संबंध में केरल पुलिस में उनके उज्जैन से गुजरने की जानकारी क्राइम ब्रांच टीम से साझा की थी। इसके बाद से क्राइम ब्रांच की टीम अलर्ट हो गई थी। लगातार केरल के संपर्क में रहने के साथ दोनों महिलाओं को उज्जैन से पकड़ लिया गया। 10 साल बाद गिरफ्त में आई महिलाएं दक्षिण पश्चिमी दिल्ली की रहने वाली सकीना फातिमा 33 साल परवीन बानो 48 साल है। दोनों को केरल पुलिस के उज्जैन पहुंचते ही सुपुर्द किया गया। बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं वर्ष 2013 में आंध्र प्रदेश पुलिस की गिरफ्त में भी आ चुकी थी। 10 साल पहले केरल में उन्होंने संगीन जुर्म को अंजाम दिया था। उसके बाद से लगातार फरार चल रही थी। दोनों दिल्ली में छुपकर रह रही थी अपने साथियों से मिलने के लिए निकली थी जो उज्जैन होते हुए जा रही थी। विदित होगी सप्ताह भर पहले ही देवासगेट थाना पुलिस ने शिवपुरी में हुई शिक्षक की हत्या में 3 माह से फरार महिला को उसके बेटे के साथ बस स्टैंड से गिरफ्तार किया था।

कचरा अलग डालने की समझाइश पर भड़का युवक, सफाईकर्मी पर तलवार तानी

फाजलपुरा की गली नंबर-3 में विवाद के बाद मारपीट, कार्रवाई की मांग को लेकर बड़ी संख्या में चिमनगंज थाने पहुंचे नगर निगम के सफाईकर्मी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फाजलपुरा क्षेत्र की गली नंबर-3 में शनिवार सुबह गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डालने की बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने नगर निगम के सफाई कर्मचारी पर तलवार निकाल ली और उसके साथ मारपीट भी कर दी। घटना के बाद आक्रोशित सफाईकर्मी बड़ी संख्या में चिमनगंज थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 7 से 7.30 बजे के बीच नगर निगम की सफाईकर्मियों की टीम फाजलपुरा क्षेत्र में कचरा संग्रहण का काम कर रही थी। गली नंबर-3 में रास्ता संकरा होने के कारण कचरा कलेक्शन वाहन अंदर नहीं जा पाता, इसलिए यहां हैंडकार्ट के जरिए कचरा एकत्र किया जाता है।

इसी दौरान सफाईकर्मी फैजान पिता जफर, निवासी हेलावाड़ी, हैंडकार्ट लेकर घर-घर से कचरा लेने पहुंचा। उसी समय गली में रहने वाला कादर नाम का व्यक्ति कचरा डालने आया। फैजान ने उसे गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डालने के लिए कहा। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते विवाद बढ़ गया।

आरोप है कि कादर ने गुस्से में आकर फैजान के साथ मारपीट कर दी। शोर सुनकर कचरा वाहन के चालक कलीम पिता सलीम खान निवासी हेलावाड़ी सहित अन्य सफाईकर्मी मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव करने लगे। इस दौरान कादर ने सभी को जान से मारने की धमकी दी और अपने घर के अंदर से तलवार निकाल लाया। बताया जा रहा है कि वह तलवार लेकर फैजान के पीछे भी दौड़ा, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई।

घटना के बाद बड़ी संख्या में सफाईकर्मी एकत्रित होकर चिमनगंज थाने पहुंचे और टीआई गजेंद्र पचौरिया को पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। खबर लिखे जाने तक सफाईकर्मी थाने पर ही मौजूद थे।

घटना का वीडियो हुआ वायरल- घटना का करीब 15 सेकंड का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में आरोपी कादर तलवार निकालते हुए दिखाई दे रहा है, जबकि आसपास मौजूद लोग उसे रोकने का प्रयास कर रहे हैं। सफाईकर्मियों ने यह वीडियो भी पुलिस को सौंप दिया है और मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।